UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-205 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 08 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

हिंदुओं की आस्था पर बोलने वाली सपा-कांग्रेस वक्फ पर चुप क्यों'

प्रतापगढ़ में विपक्ष पर बरसे सीएम योगी

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज 7 जुलाई को प्रतापगढ़ आगमन हुआ। उन्होंने सपा, कांग्रेस और बसपा पर तीखा हमला बोला। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को कथित घटना बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके नाम पर सपा और कांग्रेस के नेता हिंदू जनमानस की आस्था पर प्रहार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही लोग हैं, जिन्होंने राम और कृष्ण को काल्पनिक बताया था और अब चुनाव नजदीक देखकर हिंदू हितों का राग अलाप रहे हैं। यह लोग वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा करके गरीबों का हक छीने जाने पर मौन हो जाते हैं। उस पर क्यों नहीं बोलते। वास्तव में यह विपक्षी दल चुनावी लाभ के लिए रंग बदलने में गिरगिट को भी पीछे छोड़ चुके हैं। कहा कि राम मंदिर में कथित चोरी के मामले में एसआइटी ने दूध का दूध पानी का पानी कर दिया है। जिनके खिलाफ सुबूत मिले उन पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ में राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में दोपहर में पहुंचे। उन्होंने सदर और विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए 384 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। कुछ लाभार्थियों को योजनाओं के डेमो चेक प्रदान किए। 37 मिनट के संबोधन में उन्होंने विपक्षी दलों पर ही निशाना साधा। कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में माफिया राज था। नौकरियों पर सैफई घराने का कब्जा था। मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ के आंवला की तारीफ करते हुए इसे स्वावलंबन का सशक्त माध्यम बताया। मंच पर प्रदेश के परिवार कल्याण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री प्रतापगढ़ के प्रभारी मयंकेश्वर शरण सिंह समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री प्रतापगढ़ में करीब डेढ़ घंटे रहे।

384 करोड़ की योजनाओं की सौगात के साथ सीएम योगी का विपक्ष पर करारा प्रहार, कहा- हिंदू धर्म को बदनाम करने की रच रहे साजिश

(यंग भारत न्यूज)

प्रतापगढ़: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रतापगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने जीआईसी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम से सदर और विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्रों के लिए 384 करोड़ रुपये की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी. साथ ही, उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला.

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में प्रदेश लूट और भ्रष्टाचार की चपेट में था, जबकि वर्तमान सरकार विकास, सुशासन और मजबूत कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है. वहीं, राम मंदिर में हुई चोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष इस मामले को लेकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की साजिश कर रहा है, जबकि घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है. जांच निष्पक्ष होगी और दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. सीएम ने साफ कहा कि इस मामले में दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा. कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार

विकास और सुशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है. वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुई पुलिस की 60 हजार भर्तियों में प्रतापगढ़ के युवाओं को भी अवसर मिला है. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाओं में भी यहां के युवा सफलता प्राप्त कर रहे हैं. सीएम ने आरोप लगाया कि पहले सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता नहीं थी और योग्य युवाओं को अवसरों से वंचित होना पड़ता था, जबकि वर्तमान सरकार में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं को निष्पक्ष अवसर मिल रहे हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की तरफ से सनातन धर्म पर प्रहार करने की कोशिश की जा रही है. सपा और कांग्रेस गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं. एक समय ऐसा था जब रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं और भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए जाते थे. यहां तक की 'जय श्रीराम' का उद्घोष करने वालों पर पहले लाठी और गोली चलती थी, लेकिन अब देश की जनता ऐसे दौर में वापस नहीं जाना चाहती. सीएम योगी ने कहा कि आज की अयोध्या भगवान श्रीराम के काल की अयोध्या का एहसास कराती है. महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम रखा गया है और इस प्रकार के निर्णय केवल भाजपा सरकार ही ले सकती है. पहले जहां 'वन जनपद, वन माफिया' जैसी स्थिति थी, वहीं उनकी सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट ' योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाई. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़ का आंवला अब देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है. सीएम ने कहा कि 2017 से पहले शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज बनेगा. आज जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुका है और यहां की बेटियों को नर्सिंग सहित चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं. उन्होंने कहा कि करीब 9 साल पहले प्रतापगढ़ पिछड़े जिलों में गिना जाता था.

सुर्खियां.....

सर्प काटने पर किशोरी अचेत

कालपी जालौन 7 जुलाई। मंगलवार को सुबह 17 वर्षीय कोमल पुत्री इसाक पाल निवासी नई बस्ती राम चबूतरा कालपी पूर्व की तरह अपने घर पर कार्यों को अंजाम दे रही थी उसी समय कहीं बाहर से आए हुए पनिहा सर्प ने काट कर रफूचक्कर हुआ वही किशोरी की हालत बिगड़ी घर पर मौजूद परिजन लोग किशोरी को घर से बिगड़ी हुई हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी ने जांच कर स्वास्थ्य टीम को लगाकर उपचार किया इलाज करते समय किशोरी की हालत में सुधार हुआ।

जमीन के बंटवारे को लेकर बेटे ने पिता के साथ झगड़ा करते हुए मारपीट का किया प्रयास

जालौन-उरई। जमीन के बंटवारे को लेकर बेटे ने पिता के साथ झगड़ा करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है।

ईंटों से लदे ट्रैक्टर की ट्रॉली असंतुलित होकर पलटी, बाल बाल बचा चालक

जालौन-उरई। चुर्खी रोड पर खेत में जा रहा ईंटों से लदे ट्रैक्टर की ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में चालक बाल बाल बच गया। मंगलवार की सुबह एक ट्रैक्टर ईंटों को लादकर चुर्खी रोड स्थित एक गेस्ट हादस के पीछे खेतों से होकर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ओवरलोड ट्रॉली के चलते ट्रैक्टर का अगला हिस्सा अचानक से ऊपर से उठ गया। चालक ने ट्रैक्टर को संतुलित करने का प्रयास किया। ट्रैक्टर तो संतुलित हो गया लेकिन ट्रॉली असंतुलित होकर खेतों में ही पलट गई। ट्रॉली में लदे ईंटा खेतों में ही बिखर गए। हादसे के समय वहां कोई मौजूद न होने से बड़ा हादसा टल गया। साथ ही ट्रैक्टर चालक भी हादसे में बाल बाल बच गया।

ब्राह्मण चला अखिलेश के संग. वक्त में चुनाव से पहले गूंजा नारा, क्या साधने में सफल होगी सपा?

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में अगले साल (2027) विधानसभा चुनाव होने हैं. तमाम राजनीतिक दल चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं. पार्टियां अपने-अपने सामाजिक समीकरण मजबूत करने में लग गए हैं. इसी कड़ी में कानपुर में समाजवादी पार्टी ने ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन किया.सम्मेलन का सबसे बड़ा आकर्षण मंच के पीछे लगा वह बैनर रहा, जिस पर लिखा था 'ब्राह्मण चला अखिलेश के संग'.

इस नारे ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है.जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलिया से समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पाण्डेय शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित ब्राह्मण समाज के लोगों को संबोधित किया. उन्होंने आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी का साथ देने की अपील की.भले ही समाजवादी पार्टी प्रदेशभर में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे को प्रमुखता से आगे बढ़ा रही हो, लेकिन कानपुर में आयोजित इस सम्मेलन ने यह संकेत भी दिया गया कि बीजेपी से नाराज बताए जा रहे ब्राह्मण मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने की रणनीति पर भी पार्टी काम कर रही है. सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने प्रदेश में ब्राह्मण समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, कथित उत्पीड़न और दर्ज मुकदमों का भी उल्लेख किया. मीडिया से बात करते हुए सांसद सनातन पाण्डेय ने बताया कि यह सम्मेलन 5 अगस्त को लखनऊ में आयोजित होने वाले समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र के जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों के सिलसिले में आयोजित किया गया है. उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ब्राह्मण समाज को पूरा सम्मान और सुरक्षा दी जाएगी. उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में ब्राह्मणों को सम्मान मिला है. उन्होंने कहा कि अगर सूबे में दोबारा से सपा की सरकार बनती है तो पार्टी कार्यकर्ता हर जरूरतमंद के साथ खड़े होकर उसकी लड़ाई लड़ेंगे. सम्मेलन में सांसद ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावित हुई हैं. उन्होंने ब्राह्मण समाज से एकजुट होकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया. वहीं, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में सांसद सनातन पाण्डेय ने ट्रस्ट और ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय पर निशाना साधते हुए उन्हें चोर करार दिया. उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. उत्तर प्रदेश में चुनावी मुकाबला जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे विभिन्न सामाजिक वर्गों को साधने की कोशिशें भी तेज होती दिखाई दे रही हैं. कानपुर का यह ब्राह्मण सम्मेलन भी प्रदेश की बदलती चुनावी रणनीति का एक अहम संकेत माना जा रहा है. इससे साफ है कि पार्टी पीडीए के साथ ही अब बीजेपी के कोर वोटर माने जाने वाले ब्राह्मण समुदाय में भी सेंध लगाने की कोशिश कर रही है. लेकिन कानपुर में आयोजित इस सम्मेलन ने यह संकेत भी दिया गया कि पार्टी भाजपा से नाराज बताए जा रहे ब्राह्मण मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने की रणनीति पर भी काम कर रही है.

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, आईएएस रिंकू सिंह ने संभाली उरई नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच की कमान

अपनी ईमानदारी और सख्त लहजे के लिए जाने जाते हैं रिंकू सिंह राही

- बुरी नियत वालों के लिए दुश्मन बन रिंकू सिंह ने नगर पालिका से तलब किया 3 वर्ष के आय व्यय का लेखा जोखा
- कांपने लगीं नगर पालिका के भृष्टाचारियो की टांगे
- अधिकारी पटल बाबू और ठेकेदार बुरी तरह हैं विचलित
- रिंकू सिंह के गहरे और तीखे अंदाज से नगर पालिका के कर्ता धर्ताओं की उड़ गई है नींद

(यंग भारत न्यूज)

उरई। सभासदोंने उरई नगर पालिका में विकास कार्यों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की जांच कराए जाने की मांग की थी जिलाधिकारी ने यह जांच जालौन के तत्कालीन एसडीएम रिंकू सिंह रही को सौंप दी थी शुरू करते ही ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह ने नगर पालिका उरई के अधिशासी अधिकारी राम अचल कुरील को विभागीय पत्र के माध्यम से वर्ष 23 -24 , 24- 25, 25-- 26 तथा वर्तमान सत्र 26 --27 से संबंधित सभी विकास कार्यों, भुगतान और उच्च जुड़े अभिलेख की प्रमाणित प्रतिलिपियां 10 दिनों के भीतर मांगी है द्य इससे नगर पालिका में हड़कंप मच गया है द्य उनकी जालौन के एसडीएमके रूप में लगभग डेढ़ सौ करोड़ की नजूल की

भूमिहड़पने वालों के खिलाफ उन्होंने जो कार्रवाई शुरू की थी द्य उसका असर उरई की नगर पालिका के सभासदों अधिशासी अधिकारी तथा उरई नगर पालिका के अध्यक्ष और यहां की जनता और जनप्रतिनिधियों में साफ-साफ देखा जा सकता है द्य अधिशासी अधिकारी को लिखे अपने पत्र में श्री रिंकू सिंह ने दो टूककहां है की जिलाधिकारी कार्यालय सके माध्यम से जो अभिलेख मांगे गए थे अपेक्षित अभिलेख अभी तक नहीं दिए गए

हैं द्य इस स्थिति को प्रथम दृष्टि में गंभीर मानते हुएद्य पत्र में कहा गया है की अभिलेख उपलब्ध कराने में रुचि नहीं दिखाई जा रही है अथवा किसी तथ्यको छुपाने का प्रयास किया जा रहा हैद्य ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने अधिशासी अधिकारी को लिखेपत्र में साफ तौर पर कहा है की मांगी गई समस्त सूचनाओं और अभिलेखों की फोटो स्टेट प्रतिया डे टुडे बेससपर उपलब्ध कराई जाए द्य ताकि जांच और परीक्षण की प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सकेद्य उन्होंने यह भी कहा है की अधिशासी अधिकारी पत्र पाने के 10 दिन के भीतर सभी अभिलेख पूर्ण रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंद्य उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में अधिशासी अधिकारी को पत्र में कहा है कि यदि निर्धारित अवधि में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं तो इसे अभिलेखों के जानबूझकर अवरोधन के रूप में माना जाएगा और नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगीद्य मालूम हो पिछले दिनों तमाम संस्थाओं ने विकास कार्यों में भ्रष्टाचार कमीशन खोरी और जानकारी उपलब्ध न कराए जाने की शिकायत जिला अधिकारी राजेश कुमार पांडे से की थी, शिकायत के आधार पर तब जिला अधिकारी ने यह जांच तत्कालीन एसडीएम जालौन तो सौंपी थी जो वर्तमान में उरई के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट है और वही इस मामले की जांच कर रहे हैं द्य ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह ने अधिशासी अधिकारी को लिखे पत्र की प्रतिलिपि जिला अधिकारी जालौन तथा सभासदों को भी भेजी है द्य रिंकू सिंहकीजांच की वजह से हड़कंप मचा हुआ है द्य क्योंकि जो भी व्यक्ति अधिकारी या जनप्रतिनिधि इस जांच में फंस जाएगा उसका बचना मुश्किल है यह तय है इसीलिए अब जालौन के बाद उरई में भी हड़कंप मचा हुआ है

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनायीं गयी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नगर के मोहल्ला गणेशजी स्थित राजीव माहेश्वरी के आवास पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष निशा माहेश्वरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि माना। उनका जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देता है। आज प्रत्येक नागरिक को उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। भाजपा नगर अध्यक्ष अभिनय सिंह राजावत ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दूरदर्शी नेता, कुशल शिक्षाविद् और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए जो संघर्ष किया, वह देश के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों पर चर्चा की और उनके राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रेमलता उपाध्याय, संगीता अग्रवाल, मीनू प्रजापति, कुंवर सिंह यादव, पूर्व नगर अध्यक्ष अभय सिंह राजावत, राजीव माहेश्वरी, इसरार कुरैशी आदि रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की पात्रता सूची में अनियमितता का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की पात्रता सूची में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ग्राम गायर के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। ग्रामीणों ने पात्रता सूची में आर्थिक रूप से सक्षम और पक्का मकान, ट्रैक्टर आदि रखने वाले लोगों के नाम शामिल करने एवं जरूरतमंद और कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित करने का आरोप लगाया।

विकास खंड के ग्राम गायर निवासी दर्शन, गीता देवी, हेमंत कुमार, साहब सिंह, कमलेशी, शहजाद खान, सोनी देवी, शीला देवी, राजकुमारी, संतोष वर्मा, लालाराम, भगवानदास आदि ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपकर बताया कि गांव में वर्तमान में पीएम आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। आरोप है कि ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव द्वारा अनियमितता करते हुए अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची में शामिल कर लिए गए हैं। जबकि वास्तविक पात्र एवं जरूरतमंद लोगों के नाम सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इससे गरीब परिवारों के साथ अन्याय हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पीएम आवास योजना ग्रामीण की पात्रता सूची की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। जांच में जो भी व्यक्ति अपात्र पाए जाएं उनके नाम सूची से हटाए जाएं, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र लोगों को न्याय मिल सके। ग्रामीणों ने कहा कि निष्पक्ष जांच होने से ही वास्तविक हकदारों को आवास का लाभ मिल पाएगा।

लो वोल्टेज और बार-बार बिजली आने-जाने की समस्या से लोग परेशान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । नगर में लगातार दूसरे दिन भी बिजली व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी। रविवार रात हुई लंबी बिजली कटौती के बाद सोमवार की रात भी तोपखाना और साहवनाका फीडर से जुड़े मोहल्लों के लोगों को लो वोल्टेज और बार-बार बिजली आने-जाने की समस्या से जूझना पड़ा। पूरी रात बिजली की आंख-मिचौली जारी रहने से लोगों की नींद खराब हुई। उमस भरी गर्मी के बीच लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

रविवार की रात तेज हवा और बारिश के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण नगर समेत आसपास के गांवों की बिजली पूरी रात बाधित रही थी। सोमवार को दिन में आपूर्ति सामान्य रही, लेकिन रात होते ही एक बार फिर बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई। तोपखाना और साहवनाका फीडर से जुड़े मोहल्लों में पूरी रात बिजली की आंख मिचौली रही। कई बार बिजली कुछ मिनट के लिए आई और फिर अचानक गुल हो गई। इसके अलावा अधिकांश समय लो वोल्टेज की समस्या बनी रही, जिससे पंखे और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से नहीं चल सके। उमस और गर्मी के कारण बच्चे, बुजुर्ग और बीमार सबसे अधिक परेशान रहे। कई घरों में इनवर्टर भी बार-बार चार्ज और डिस्चार्ज होने के कारण अपेक्षित बैकअप नहीं दे सके। अतुल, राहुल आदि ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है, जिससे दैनिक दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। बार-बार बिजली ट्रिप होने से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के खराब होने की आशंका भी बनी रहती है। जेई नवीन कंजौलिया ने बताया कि रविवार की रात 132 केवी उपकेंद्र के पास बिजली गिरने से समस्या आई थी। सोमवार की रात मशीन में गड़बड़ी के चलते समस्या हुई है। जिसे ठीक कर लिया गया है, अब बिजली आपूर्ति सामान्य हो चुकी है।

मुख्य अभियंता ने की बिजली विभाग के कार्यों की समीक्षा, राजस्व व तकनीकी मानकों पर दिया जोर

-विकास भवन उरई में अधिशासी अभियंताओं व अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक

-कॉमर्शियल और तकनीकी पैरामीटर पर कार्यों में सुधार के दिए निर्देश

जालौन। जनपद जालौन के उरई स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार, विकास भवन में सोमवार को विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झांसी क्षेत्र के मुख्य अभियंता ने की। बैठक में विद्युत वितरण मंडल उरई के अधीक्षण अभियंता योगेंद्र कुमार सिंह सहित समस्त अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी तथा अवर अभियंता मौजूद रहे। बैठक में विद्युत विभाग के कॉमर्शियल एवं तकनीकी पैरामीटर की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों से राजस्व वसूली, लाइन लॉस में कमी, विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निस्तारण, बिलिंग व्यवस्था तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्य अभियंता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाई जाए तथा तकनीकी मानकों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसके साथ ही राजस्व संग्रह में सुधार तथा लाइन हानियों को कम करने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अधीक्षण अभियंता योगेंद्र कुमार सिंह ने मंडल की प्रगति से अवगत कराया और विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। अधिकारियों ने क्षेत्रीय समस्याओं और उनके समाधान के संबंध में भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के अंत में मुख्य अभियंता ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

जमीन के बंटवारे को लेकर बेटे ने पिता के साथ झगड़ा करते हुए मारपीट का किया प्रयास

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । जमीन के बंटवारे को लेकर बेटे ने पिता के साथ झगड़ा करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा निवासी जगराम ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा अजय अक्सर जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद करता रहता है। आरोप लगाया कि उनका बेटा गलत संगत में पड़ गया है। जिसके चलते वह उसके नाम अभी जमीन नहीं लिख रहे हैं। जबकि वह जमीन उसके नाम लिखाने को लेकर झगड़ा करता रहता है। मंगलवार की सुबह भी वह जमीन लिखाने को लेकर झगड़ा कर रहा था। जब उन्होनें इंकार किया तो मारपीट पर आमादा हो गया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है।

ईंटों से लदे ट्रैक्टर की ट्रॉली असंतुलित होकर पलटी, बाल बाल बचा चालक

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । चुर्खी रोड पर खेत में जा रहा ईंटों से लदे ट्रैक्टर की ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में चालक बाल बाल बच गया। मंगलवार की सुबह एक ट्रैक्टर ईंटों को लादकर चुर्खी रोड स्थित एक गेस्ट हादस के पीछे खेतों से होकर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ओवरलोड ट्रॉली के चलते ट्रैक्टर का अगला हिस्सा अचानक से ऊपर से उठ गया। चालक ने ट्रैक्टर को संतुलित करने का प्रयास किया। ट्रैक्टर तो संतुलित हो गया लेकिन ट्रॉली असंतुलित होकर खेतों में ही पलट गई। ट्रॉली में लदे ईंटा खेतों में ही बिखर गए। हादसे के समय वहां कोई मौजूद न होने से बड़ा हादसा टल गया। साथ ही ट्रैक्टर चालक भी हादसे में बाल बाल बच गया।

स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज में वन महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। प्रदेश सरकार के निर्देश पर चल रहे वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज में वन महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों के साथ छात्रों ने वृक्षों की बारात निकालकर पौधे लगाए।

वन विभाग द्वारा एक जुलाई से सात जुलाई तक साप्ताहिक वन महोत्सव अभियान चलाया जा रहा है। साप्ताहिक आयोजन के समापन पर मंगलवार को सामाजिक वानिकी वन प्रभाग के तत्वावधान में वृक्षों की बारात कार्यक्रम के तहत जनजागरण रैली निकाली गई। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज के बच्चों ने क्षेत्रीय वन अधिकारी कोमल सिंह, डिप्टी रेंजर मुबारक अली, वन दरोगा संजीव कुमार, वन रक्षक पुनीत कुमार व जितेंद्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में नहर कोठी से जागरूकता रैली और वृक्षों की बारात निकाली। जो देवनगर चौराहे से कोतवाली होते हुए वापस नहर कोठी पहुंची। स्कूल के बच्चों ने रैली के माध्यम से आम जनमानस को एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। वन विभाग के अधिकारियों ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और वृक्षों के महत्व के बारे में जानकारी दी। बारात में छात्र पौधे हाथों में लेकर पर्यावरण बचाने के नारे लगाते हुए चल रहे थे। इसके बाद सभी ने मिलकर कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्र में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने छात्रों को पौधे भी वितरित किए। इस मौके पर राहुल, प्रियांशु, गोपाल, आदित्य आदि रहे।

पहले गायब हुई युवती भी बरामद

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा, आपसी रंजिश और पारिवारिक विवादों से जुड़े मामले अक्सर पुलिस और समाज के सामने नई चुनौतियां खड़ी करते हैं। कुछ मामले जहां सालों तक फाइलों में दबे रहते हैं, वहीं कुछ मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई बड़ी राहत देती है। ऐसा ही एक मिला-जुला घटनाक्रम इन दिनों स्थानीय क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां कानून-व्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने से जुड़े दो अलग-अलग मामले एक साथ सामने आए हैं। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत हुई इन दोनों घटनाओं ने हर किसी को हैरान कर दिया है। नशीला पदार्थ सुंघाकर किया था अपहरण, 6 साल बाद लौटी महिला कोतवाली जालौन के ग्राम व्यासपुरा की निवासी किशोरी देवी (पत्नी भगवती शरण) ने अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। कोतवाली में मौजूद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाए कि करीब छह वर्ष पूर्व गांव के ही कुछ युवक उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर जबरन गाड़ी में डालकर ले गए थे। आरोपियों ने उसे इतने सालों तक बंधक बनाकर रखा था। किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर वह अपने परिवार के पास वापस लौटी और न्याय के लिए पुलिस की शरण में पहुंची है। महिला के परिजनों के मुताबिक, किशोरी देवी के गायब होने की सूचना उन्होंने उसी समय स्थानीय पुलिस को दी थी। पुलिस अब महिला के बयानों के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर रही है, जिससे जल्द ही आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की उम्मीद है।

तीन दिन में बरामद हुई युवती, पति ने साथ रखने से किया इनकार

कोतवाली जालौन क्षेत्र का ही दूसरा मामला ग्राम धनोरा कला का है। यहाँ की निवासी खुशी प्रजापति (पुत्री शिववीर प्रजापति) बीते 3 जुलाई को अचानक लापता हो गई थी, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने पुलिस में दर्ज कराई थी।

नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता और कथित अनियमितताओं की जाँच अभी भी नहीं हुई पूरी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता और कथित अनियमितताओं को लेकर की गई शिकायत पर जांच अभी पूरी नहीं हो सकी है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को भेजी आख्या में बताया है कि जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच समिति से रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट मिलते ही गुण-दोष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग निवासी गजेंद्र सिंह सेंगर ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि ब्रजमोहन के मकान से रामशरण के मकान तक कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। शिकायत में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता निम्न स्तर की होने, कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने तथा सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई गई थी। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया था कि 'मेरी पंचायत ऐप' पर भी कार्य की गुणवत्ता को लेकर कम रेटिंग और फीडबैक दर्ज कराया है और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। शिकायत के निस्तारण में जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद ने मुख्य विकास अधिकारी को भेजी रिपोर्ट में बताया कि ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए जिलाधिकारी के आदेश पर अपर जिला विकास अधिकारी (सहकारिता) और लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड-प्रथम के अधिशासी अभियंता की दो सदस्यीय जांच समिति पहले ही गठित की जा चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया कि जांच समिति से आख्या प्राप्त करने के लिए विभाग की ओर से पूर्व में तीन जून को पत्र भेजा गया था। इसके बाद भी जांच रिपोर्ट प्राप्त न होने तथा शिकायतकर्ता द्वारा दोबारा शिकायत किए जाने पर 24 जून को पुनः अनुस्मारक भेजकर शीघ्र जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी ने आख्या में स्पष्ट किया है कि जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद प्रकरण में तथ्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गौशाला की गाय कैसे घूम रही है छुट्टा

किसान की खीरे की महंगी फसल चर के कर दी चौपट, पीड़ित किसान ने एसडीएम से की मुआवजा दिलाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम घुसिया निवासी किसान देशराज पुत्र करसोले ने मंगलवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देकर बताया गौशाला की गायों से उसकी खड़ी फसल को नष्ट कर दिया है। किसान ने बताया कि उसके हिस्से में केवल 0.081 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिस पर उसने मेहनत और लागत लगाकर खीरे की फसल तैयार की थी ।देशराज का आरोप है कि उसके खेत के पास स्थित गौशाला में लगभग 80 गायें हैं, जिन्हें गौशाला के कर्मचारी दिन और रात में खुला छोड़ देते हैं। इसी दौरान गायें जाली के रास्ते उसके खेत में घुस गईं और पूरी खड़ी खीरे की फसल चर गईं। इससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उसकी मेहनत पर पानी फिर गया ।पीड़ित किसान ने बताया कि उसने इस संबंध में प्रधान प्रतिनिधि से भी शिकायत की, लेकिन उन्होंने मामले में कोई जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया ।पीड़ित किसान का कहना है कि उसका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर है और फसल नष्ट होने से आजीविका का संकट खड़ा हो गया है ।देशराज ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और नष्ट हुई फसल का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं एसडीएम हेमंत पटेल ने किसान को आश्वस्त करते हुए खंड विकास अधिकारी कोंच को मामले की जांच कर शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए।

दिव्यांग महिला का नही बन रहा आधार कार्ड,महिला ने की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एक दिव्यांग महिला का आधार कार्ड न बनने का मामला जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचा ।सम्पूर्ण समाधान दिवस में कोंच आए डीएम राजेश पाण्डेय को ग्राम खैरी निवासी नरेंद्र कुमार ने अपनी 55 वर्षीय दिव्यांग बहन मांडूकी की ओर से प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी बहन चलने-फिरने में असमर्थ हैं और कई बार आधार कार्ड बनवाने का प्रयास किया गया, लेकिन अंगुलियों की छाप मशीन में दर्ज न होने के कारण अब तक आधार कार्ड नहीं बन सका। उन्होंने बताया कि महिला के नाम कृषि भूमि दर्ज है, जिसका हस्तांतरण कराया जाना है। इसके लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य हैं। आधार कार्ड न बनने के कारण राजस्व संबंधी आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे परिवार को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवेदक को आश्वस्त किया कि प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने आवेदक को जिलाधिकारी कार्यालय बुलाकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने तथा समस्या के शीघ्र समाधान का भरोसा दिया

जालौन में एआईएमआईएम संगठन विस्तार का दावा, मिशन 2027 को लेकर तेज हुई राजनीतिक गतिविधियां

-संगठन ने सदस्य संख्या 35,782 पहुंचने का किया दावा

-कालपी, उरई, कोंच और माधौगढ़ क्षेत्रों में लगातार सदस्यता अभियान

-जिला महासचिव एनुल हसन मंसूरी ने संगठन को मजबूत होने का बताया संकेत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद जालौन में एआईएमआईएम ने अपने संगठनात्मक विस्तार को लेकर बड़ा दावा किया है। पार्टी के जिला महासचिव एनुल हसन मंसूरी ने कहा कि जिले में सदस्यता अभियान लगातार जारी है और संगठन की सदस्य संख्या बढ़कर 35,782 तक पहुंच चुकी है। उनके अनुसार कार्यकर्ता गांव-गांव और कस्बों में पहुंचकर लोगों को पार्टी की नीतियों से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कालपी, उरई, कोंच और माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्रों में संगठन तेजी से मजबूत हो रहा है। उनका दावा है कि विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोग एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि मिशन 2027 को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा रहा है। एनुल हसन मंसूरी ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो ह्यड्डस्त्रह्वस्त्रस्त्रद्बठ्ठ ह्र2ड्डद्बह्यद्ब की विचारधारा से प्रभावित होकर विभिन्न वर्गों के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम सभी समाजों की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व की बात करती है तथा इसी उद्देश्य से संगठन विस्तार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जनपद जालौन की चारों विधानसभा सीटों पर पार्टी जल्द ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। उनके अनुसार संगठन की बढ़ती सक्रियता से जिले के राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की चर्चा है। हालांकि, सपा, बसपा और कांग्रेस पर लगाए गए आरोप तथा सदस्य संख्या सहित अन्य राजनीतिक दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। संबंधित दलों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। एआईएमआईएम का कहना है कि वह मिशन 2027 के लिए पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति पर कार्य कर रही है।

बरसात में गौवंशों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई - जिलाधिकारी

गौशालाओं में कीचड़ न होने, पर्याप्त चारा उपलब्ध रखने, सड़कों पर घूम रहे गोवंशों को तत्काल संरक्षित करने और पशु छोड़ने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बरसात के मौसम में गौवंशों की सुरक्षा एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, समस्त गौशाला नोडल अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान किसी भी गौशाला में कीचड़ अथवा जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी समय रहते जल निकासी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि गौवंशों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं में चना, चोकर, खली, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था हर समय बनी रहे। पशु चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के समय निजी पशुपालकों द्वारा छोड़े गए गोवंश अक्सर सड़कों पर घूमते मिलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे गोवंशों को तत्काल चिन्हित कर कैटल कैचर के माध्यम से निकटतम गौशालाओं में सुरक्षित पहुंचाया जाए। साथ ही जिन निजी पशुपालकों द्वारा अपने पशुओं को सड़कों पर छोड़ा जाता है, उनके विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने बताया कि झोलूपुर, कैथेरी, छिरिया, एट, बोहदपुरा, राहिया सहित अन्य संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर विशेष सचल दल गठित किए गए हैं। ये दल कैटल कैचर के साथ लगातार भ्रमणशील रहेंगे और निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। संबंधित अधिकारियों को इन दलों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जिन गौशालाओं का अन्य गौशालाओं में विलय (मर्जर) हो चुका है और जो वर्तमान में रिक्त हैं, वहां व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए, ताकि उन परिसरों का पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित में बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि गौवंशों का संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अपना दल (एस) की मासिक बैठक संपन्न, संगठन विस्तार एवं आगामी रणनीति पर हुआ मंथन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अपना दल (एस) की मासिक बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय उरई में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों तथा संगठनात्मक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। ?बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के संस्थापक यशकायी डॉ. सोनेलाल पटेल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस बैठक में राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, जोन, सेक्टर पदाधिकारी एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में ?बूथ स्तर पर मजबूती संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा अधिक से अधिक सक्रिय, समर्पित एवं प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई। ?आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा: पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई तथा मंडल, सेक्टर एवं बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां निर्धारित कर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।?मिशन विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। ?बैठक में सभी पदाधिकारियों ने संगठन हित में सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया तथा पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। रोहित राठौर प्रदेश सदस्य, अपना दल एस, ओंकार सिंह ठाकुर प्रदेश महासचिव युवा मंच, श्याम सुन्दर कुशवाहा जिला महासचिव, प्रदीप कुशवाहा जिला महासचिव, राहुल पटेल विधानसभा अध्यक्ष, बृजेश साधारा विधानसभा अध्यक्ष, उरई, अनिल कुशवाहा जिला कार्यकारिणी सदस्य, लाल सिंह बगिया, उस्मान अंसारी जिलाध्यक्ष, अल्पसंख्यक मंच, रामबाबू कुशवाहा विधानसभा महासचिव, शैलेन्द्र कुशवाहा, अनवर अली, आदित्य, लालजी परिहार विधानसभा सचिव, अनुज पटेल छानी जिला सचिव, निशांत पटेल छानी, राजेन्द्र कुशवाहा महासचिव एवं जितेन्द्र पाल आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका बनी मूकदर्शक, नया रामनगर बारह बीघा की सड़क दलदल में तब्दील

जलभराव और कीचड़ से लोगों का निकलना मुश्किल, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई सुनवाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका परिषद की लापरवाही का खामियाजा नया रामनगर (बारह बीघा) के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र की मुख्य सड़क पर लंबे समय से जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी हुई है, जिससे सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना तो दूर, दोपहिया वाहन निकालना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर भरे गंदे पानी और कीचड़ के कारण रोजाना फिसलकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के चलते क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों की आशंका बनी हुई है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि समस्या को लेकर नगर पालिका में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि नगर पालिका के अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था कर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

वर्चुअल जनसुनवाई में एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जालौन ने मंगलवार को गूगल मीट के माध्यम से जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ वर्चुअल जनसुनवाई की। इस दौरान विभिन्न थानों एवं पुलिस कार्यालयों में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को सीधे सुना गया और उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लिया जाए। शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार करें, उनकी बात पूरी गंभीरता से सुनें और शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करें। यदि किसी मामले में लापरवाही या अनावश्यक देरी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय और बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित हो सके।

जिला अस्पताल में भीड़ का लाभ उठाकर सक्रिय है चोर और जेब कतरे

-महिला का पर्स चोरी करते समय हाथ पकड़ लिया पीड़िता ने

-चोर की पब्लिक ने दम से की चांद पूजा, सौंप दिया पुलिस को

(यंग भारत न्यूज)

उरई । शहर के पुरुष जिला अस्पताल परिसर में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एक महिला का पर्स चोरी करने का प्रयास कर रहे एक संदिग्ध युवक को लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की पिटाई कर दी और सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों की काफी भीड़ थी। इसी दौरान एक युवक संदिग्ध रूप से लोगों की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। आरोप है कि उसने भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला का पर्स चुराने की कोशिश की, लेकिन महिला और आसपास मौजूद लोगों की सतर्कता से वह मौके पर ही पकड़ लिया गया। युवक के पकड़े जाने की खबर फैलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई और आक्रोशित लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ के कब्जे से छुड़ाकर अपने साथ ले गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के बाद कुछ देर तक अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और गहमागहमी का माहौल बना रहा। वहीं लोगों ने सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर अस्पतालों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सक्रिय जेबकतरों व चोरों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

खरीफ बुवाई के लिए 9 ब्लॉकों के राजकीय बीज भंडारों पर बीज उपलब्ध

किसानों को मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। खरीफ सीजन की बुवाई को देखते हुए जनपद के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे के निर्देश पर जनपद के सभी 9 विकास खंडों के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर खरीफ फसलों के प्रमाणित बीज उपलब्ध करा दिए गए हैं। बीजों का वितरण 'पहले आओ, पहले पाओ' नीति के आधार पर किया जाएगा।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. गगन दीप सिंह ने बताया कि किसान राजकीय कृषि बीज भंडारों से ढैचा, धान, उड़द, मूंग तथा अरहर के प्रमाणित बीज निर्धारित दरों पर प्राप्त कर सकते हैं। बीजों के विक्रय मूल्य इस प्रकार निर्धारित किए गए हैं मोटा धान 48.64 रुपया प्रति किलोग्राम, महीन धान 48.93 रुपया प्रति किलोग्राम, बासमती धान 63.46 रुपया प्रति किलोग्राम, उड़द 132.16 रुपया प्रति किलोग्राम, मूंग 145.02 रुपया प्रति किलोग्राम, ढैचा 155.00 रुपया प्रति किलोग्राम तथा अरहर 134.21 रुपया प्रति किलोग्राम। उन्होंने बताया कि सभी फसलों के बीजों पर बिक्री मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी एट सोर्स) दिया जाएगा। पंजीकृत किसानों को पीओएस मशीन पर आधार प्रमाणीकरण के बाद बीज वितरित किए जाएंगे। अनुदान की राशि सीधे बीज के मूल्य से समायोजित कर दी जाएगी और किसान को केवल शेष राशि का भुगतान करना होगा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा किसानों को नि:शुल्क बीज मिनी किट भी पूर्णत: मुफ्त वितरित किए जाएंगे। उन्होंने किसानों से समय रहते अपने नजदीकी राजकीय कृषि बीज भंडार से प्रमाणित बीज प्राप्त कर खरीफ बुवाई का लाभ उठाने की अपील की।

राममंदिर चोरी प्रकरण को लेकर कांग्रेस का विरोध मार्च

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर पहुंच कर किया हनुमान चालीसा का पाठ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राममंदिर चोरी प्रकरण को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को शहर में विरोध प्रदर्शन कर घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विरोध मार्च की शुरुआत शहर के गांधी मार्केट स्थित गांधी चबूतरा से हुई। कांग्रेसजन हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए जिला परिषद रोड स्थित मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर मंदिर की सुरक्षा एवं प्रदेश में शांति की कामना की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। ऐसे मामलों में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए ताकि जनता का कानून व्यवस्था पर विश्वास बना रहे। उन्होंने प्रशासन से मामले का जल्द खुलासा करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर, शहर अध्यक्ष राजकुमार, शब्बीर अंसारी, अयूब अंसारी, प्रोफेसर हरीशरन वर्मा जिला प्रवक्ता, सीताराम वर्मा, आशाराम, जमुना दास अहिरवार, आशीष बुंदेला, नफीस पठान, कमल दोहरे, महिला जिलाध्यक्ष शकुंतला तिवारी, जितेन्द्र मिश्रा, रेहान सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोरन नहर के पास ट्रक और बस की आमने-सामने भिड़ंत, 20 यात्री घायल

बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त, मेडिकल कॉलेज में घायलों का उपचार जारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। जालौन के उरई-कोटरा मार्ग पर मंगलवार को गोरन नहर के पास एक ट्रक और प्राइवेट बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार करीब 20 यात्री घायल हो गए, जबकि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के दौरान वहां से गुजर रहे प्राथमिक विद्यालय करथर के शिक्षक निर्दोष द्विवेदी की मोटरसाइकिल भी ट्रक की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि वह सुरक्षित रहे।

जानकारी के अनुसार कोटरा से लगभग 40 यात्रियों को लेकर उरई आ रही प्राइवेट बस की गोरन नहर के पास सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने ट्रक को रोक लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। हादसे में बस चालक पुष्पेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कामना, सिद्धि, ज्ञान सिंह, राधा, माता प्रसाद, सत्य प्रकाश, साक्षी, रामदेवी, रामकुमार, कमला सहित कई यात्रियों को हाथ-पैर एवं शरीर पर चोटें आईं। अधिकांश घायल कोटरा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल उरई पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र कुमार सिंह और सीएमएस डॉ. प्रशांत निरंजन इमरजेंसी वार्ड पहुंचे तथा घायलों के उपचार और व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश दिए। सदर क्षेत्राधिकारी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दुर्घटनाग्रस्त प्राइवेट बस कोटरा निवासी रामकुमार अग्रवाल की बताई गई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रक और बस चालक से पूछताछ जारी है तथा पुलिस मामले की विवेचना कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

आटा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

वाहन चालकों के नेत्र, ब्लड प्रेशर व शुगर की हुई जांच, यातायात नियमों के पालन का दिलाया गया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आज आटा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन टोल प्लाजा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों एवं परिचालकों के नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की नि:शुल्क जांच की गई।सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने उपस्थित वाहन चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं एवं अन्य लोगों की जान बचाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने चालकों से वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, थकान की स्थिति में वाहन न चलाने तथा सड़क संकेतों का पालन करने की अपील की। शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ. अखिलेश कुमार एवं उनकी टीम के सदस्य संजय कुमार, माखन लाल, पवन कुमार विश्नोई और रवि सोलंकी ने बड़ी संख्या में वाहन चालकों एवं परिचालकों की आंखों की जांच की। साथ ही ब्लड प्रेशर एवं शुगर की भी जांच की गई। जिन चालकों की दृष्टि कमजोर पाई गई, उन्हें चश्मा लगाने तथा जिला चिकित्सालय में विस्तृत नेत्र परीक्षण कराने की सलाह दी गई।इस अवसर पर मुकेश कुमार (तहसीलदार), बीर बहादुर सिंह (यातायात प्रभारी), अलीम खान (समाजसेवी), आयोजनकर्ता उत्तम सिंह (परियोजना प्रबंधक, एनएचआईटी), सैयद इरफान (सेफ्टी मैनेजर), इंगेश शर्मा (इंसिडेंट मैनेजर), अंकेश श्रीवास्तव (प्लाजा मैनेजर), प्रदीप चौहान (पैरामेडिक) सहित टोल प्लाजा के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वाहन चालक और परिचालक उपस्थित रहे।

आगामी 16 जुलाई से 22 तक मनाया जाएगा 'भूजल सप्ताह', जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को मिशन मोड में अभियान संचालित करने, व्यापक जनजागरूकता एवं विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 16 से 22 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले 'भूजल सप्ताह' के सफल आयोजन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूजल संरक्षण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा जनआंदोलन है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित तिथियों के अनुसार गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सात दिवसीय अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, नगर निकायों तथा जनपद स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जल संरक्षण का संदेश आमजन तक पहुंचाने के लिए रैलियां, कार्यशालाएं, समन्वय बैठकें, पोस्टर एवं दीवार लेखन, पौधरोपण, जल संरक्षण की शपथ, वर्षा जल संचयन तथा रिचार्ज पिट निर्माण जैसी गतिविधियां प्रभावी ढंग से कराई जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर जल जीवन मिशन की पेयजल एवं स्वच्छता समितियों की बैठकें आयोजित कर सुरक्षित पेयजल, जलजनित रोगों से बचाव तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए। विद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम प्रधानों तथा युवाओं की सहभागिता से जल संरक्षण रैलियां निकाली जाएं तथा सार्वजनिक भवनों और दीवारों पर जल संरक्षण संबंधी संदेश अंकित कराए जाएं।जिलाधिकारी ने विकास खंड स्तर पर विभागीय कार्यशालाएं एवं समन्वय बैठकें आयोजित करने, पूर्व निर्मित तालाबों, चेकडैमों एवं अन्य जल संरचनाओं का निरीक्षण कर उनकी उपयोगिता का मूल्यांकन करने तथा किसानों के बीच ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों का प्रदर्शन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे जल की बचत के साथ कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी। नगर निकायों में छतों एवं सार्वजनिक भवनों पर वर्षा जल संचयन के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान कर कार्ययोजना तैयार करने, स्कूलों में पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कराने, जल गुणवत्ता परीक्षण शिविर लगाने तथा नगरवासियों को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के अंतिम दिवस जनपद स्तर पर पेयजल, स्वच्छता एवं जल संरक्षण विषयक कार्यशाला समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि जनसहभागिता के माध्यम से जल बचाने का संदेश घर-घर तक पहुंचे और वर्षा जल संचयन तथा भूजल पुनर्भरण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, भू गर्भ जल अधिकारी भरत दीप आदि सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नाला निर्माण अधूरा, जवाब देने वाला कोई नहीं

-नगर पंचायत कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी मिले नदारद, दबंग ठेकेदारों का बोलबाला

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। नगर पंचायत माधौगढ़ में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य पर सवाल खड़े होने लगे हैं। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में नाला निर्माण अधूरा पड़ा है, जिससे बरसात के मौसम में जल निकासी की समस्या गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती जा रही है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

नगरवासियों के अनुसार नाला निर्माण का उद्देश्य बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाना था, लेकिन कार्य अधूरा होने के कारण स्थिति और अधिक चिंताजनक बन गई है। जगह-जगह खुदे हुए नालों से राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर मिट्टी और मलबा पड़ा होने से आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

बुंदेलखंड इंटर कॉलेज के सामने अधूरा पड़ा नाला

नगर के प्रमुख मार्ग पर स्थित बुंदेलखंड इंटर कॉलेज के सामने नाला निर्माण आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य लंबे समय से रुका हुआ है, जिससे बरसात में पानी भरने की आशंका बढ़ गई है। वहीं तहसील परिसर के पास भी नाला निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है और पुलिया का निर्माण अभी तक पूरा नहीं किया गया है। इससे लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जल निकासी व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

कई स्थानों पर नालों में गंदा पानी जमा है और जलकुंभी व कूड़ा-करकट भरा हुआ दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया तो बरसात के दौरान नगर के कई मोहल्लों में जलभराव की समस्या विकराल रूप ले सकती है।

नगर पंचायत कार्यालय में नहीं मिले जिम्मेदार अधिकारी

मामले का पक्ष जानने के लिए जब संवाददाता नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे तो वहां अधिशासी अधिकारी, बाबू सहित अन्य कर्मचारी मौजूद नहीं मिले। कार्यालय में कोई सक्षम अधिकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण निर्माण कार्य की प्रगति, देरी के कारण और गुणवत्ता से जुड़े सवालों का जवाब नहीं मिल सका। इससे नगरवासियों में और अधिक नाराजगी देखने को मिली।

दबंग ठेकेदारों का बोलबाला होने का आरोप,स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत में ठेकेदारों का प्रभाव इतना अधिक है कि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने के बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना होने के बावजूद गुणवत्ता और समयसीमा की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराकर दोषी ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए।

जांच और कार्रवाई की मांग,नगरवासियों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, निर्माण कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण कराने तथा अधूरे पड़े नाला निर्माण और पुलिया के कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बरसात में नगरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पुलिस ने 28 क्वार्टर अवैध शराब के साथ युवक को गिरफ्तार किया

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। सीओ राजेश कमल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत स्थानीय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चमारी में बेचने के उद्देश्य घूम रहे युवक को 28 अदद नाजायज शराब के क्वार्टरों से समेत इलाकाई पुलिस ने गिरफ्तार करके चालान कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक थाना आटा के उपनिरीक्षक अरविंद कुमार, सिपाही रामराजा क्षेत्र में शांति व्यवस्था हेतु भ्रमणशील थे। पुलिस टीम ग्राम चमारी से संकट मोचन मंदिर की ओर जा रही थी ?। तभी चमारी मोड़ के पास सूचना दी कि एक व्यक्ति शिवा ढाबा के सामने पार्किंग में एक पीला बाजारू थैला में देसी शराब के क्वार्टर लिए कहीं जाने की फिराक में खड़ा है यदि जल्दी की जाए तो पकड़ा जा सकता है मुखबिर की बात पर विश्वास कर मुखबिर को साथ लेकर उसके बताए हुए स्थान पर पुलिस टीम पहुंची मुखबिर ने नेशनल हाईवे सड़क किनारे रुकने का इशारा किया। शिवा ढाबा के सामने पार्किंग में हाथ में पीला बाजारू थैला लिए खड़ा हुआ था। पुलिस टीम के द्वारा दविश देकर शिवा ढाबे के सामने पार्किंग में खड़े व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकड़े गए पकड़े गये आरोपी व्यक्ति ने अपना नाम अंशुल सिंह पुत्र विनोद कुमार ग्राम पड़री मुस्तकिल थाना कालपी बताया ?। आरोपी के दाहिने हाथ में पीला बाजारू थैला में देसी शराब के 28 क्वार्टर बरामद हुए। आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर पुलिस टीम के द्वारा आबकारी धारा 60 के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियां पूरी

-चिकित्सकीय टीमों द्वारा 11 जुलाई से शुरू होगा दस्तक अभियान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डॉ. दिनेश गुप्ता की अध्यक्षता में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक आयोजित कर अभियान के सफल संचालन के लिए रणनीति तैयार की गई।

मंगलवार को सीएचसी परिसर में आयोजित बैठक में चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत 11 जुलाई से दस्तक अभियान शुरू किया जाएगा। जो 31 जुलाई तक संचालित रहेगा। अभियान के दौरान पांच आशाओं नसीमा खातून,नीलम यादव,अंजु लता, रानी अहिरवार, पूनम आदि स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता, साफ पेयजल के उपयोग तथा मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। साथ ही बुखार, डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा जाएगा।बैठक में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि अभियान के दौरान सर्वे, जनजागरूकता और रोगियों की समय पर पहचान पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

मीटिंग में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी,जिला फाइलेरिया अधिकारी भावना सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी चन्द्र शेखर,एके पांडेय के अलावा चिकित्सा अधिकारी डॉ शेख शहरयार,डा विशाल सचान,डा अशोक कुमार, डा गरिमा सिंह, रचना दुवे समेत विभागीय कर्मचारियों ने सहभागिता की।

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) तहसील माधौगढ़ में वकालत कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता रणवीर सिंह तोमर का अकस्मात निधन होने की खबर लगते ही अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन को लेकर बार भवन के सभागार में शोक सभा का आयोजन बार एसोसिएशन माधौगढ़ अध्यक्ष संजय सिंह राजावत की अध्यक्षता में किया गया मौजूद अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरा दु:ख व्यक्त किया है पूर्व अध्यक्ष कैलाश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि तोमर साहब बड़े ही नेक दिल इंसान थे वह हमेशा बार और बेंच को एक करने में लगे रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हलधर त्रिपाठी नावर ने कहा कि श्री तोमर जी की कथनी-करनी में कोई फर्क नही था वह जो कहते थे उस पर स्वयं अमल करते थे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सिंह राजावत ने कहा कि तोमर साहब ने हमेशा अधिवक्ताओं के हितों की लडाई लडी वह सदैव अधिवक्ताओं के हितों को आगे रखते रहे हैं उनके जाने पर यह अपूर्णीय क्षति खलती रहेगी एडवोकेट अखिलेश दोहरे ने कहा कि वह बड़े ही मिलनसार और व्यक्तित्व के धनी थे इस मौके पर एडवोकेट कालीप्रसाद राठौर राधेश्याम राठौर राजकुमार राठौर कमलेन्द्र सिंह धर्मेंद्र सिंह राजावत वीर सिंह कुशवाहा छेदालाल दोहरे महेंद्र सिंह ध्रुव सिंह गुर्जर सत्येन्द्र श्रीवास्तव अरुण तिवारी राकेश तिवारी शत्रुघन सिन्ह राजावत महेश बाबू खरे प्रयाग नारायण द्विवेदी कुंवरपाल शिवकुमार शिव नरेश द्विवेदी राजकुमार सिंह जितवार सिंह शरद चतुर्वेदी राजकुमार याज्ञिक अवधेश श्रीवास्तव सुशील पचौरी अखिलेश सविता माता प्रसाद राकेश श्रीवास्तव कप्तान सिंह पाल श्याम सिंह वीर बहादुर सिंह शशिवेंद्र सिंह सेंगर कुरसेंडा महाराज सिंह कुशवाहा बृजेन्द्र सिंह राठौर पवन सीरोटिया कमलेश उपाध्याय सूर्य प्रकाश सहित टाइपिस्ट संजय कुमार गुबरेले मुंशी राम सिंह विक्रम सिंह सहित अन्य की मौजूदगी रही है

नाबालिग के साथ अपराध करने वाले को शसक्त पैरवी के चलते हुई 10 वर्ष की सजा, तथा 30 हजार का जुर्माना

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल एवं कोतवाली कालपी पुलिस द्वारा की गई सशक्त एवं प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एक अभियुक्त को न्यायालय से कठोर सजा दिलाई गई।

मामला कोतवाली कालपी में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 303/2021 से संबंधित है, जिसमें अभियुक्त ताजमौर पुत्र अमीर खां, निवासी रजेपुरा, कस्बा एवं थाना कालपी, जनपद जालौन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मॉनिटरिंग सेल और कोतवाली कालपी पुलिस की प्रभावी पैरवी के आधार पर एडीजे/पॉक्सो कोर्ट, उरई ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास तथा 30,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। इस सफलता में अभियोजन अधिकारी राजीव भदौरिया, प्रभारी मॉनिटरिंग सेल उपनिरीक्षक प्रशांत तिवारी, कोर्ट पैरोकार मुख्य आरक्षी खुबेंद्र सिंह एवं आरक्षी अनुज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने इसे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का एक महत्वपूर्ण परिणाम बताया।

कार की टक्कर से दो भैंसों की मौत पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धमना में बीते दिनों पहले हुई एक सड़क दुर्घटना में दो भैंसों की मौत के मामले में कोतवाली कालपी में पीड़ित पक्ष के द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया है। उक्त प्रकरण को लेकर वादी मोहन सिंह पुत्र राम शंकर सिंह निवासी ग्राम धमना ने कोतवाली कालपी मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 01.06.2026 को समय लगभग शाम को 6 बजे प्रार्थी की दो भैंस जोल्हुपुर से कदौरा मार्ग पर स्थित धमना गेट के पास से घर की ओर जा रही थी। उसी समय एक कार का चालक कार को तेजी व लापरावाही से चलाते हुए आया और प्रार्थी के दोनों भैंसों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रार्थी की दोनों भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से प्रार्थी को भारी आर्थिक क्षति हुई है। घटना को आसपास मौजूद लोगों ने देखा है। पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी गई है।

एसडीएम ने गौशाला का औचक निरीक्षण

भूसा खुले में मिलने पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई । मंगलवार को उपजिलाधिकारी अमित शेखर ने मुहल्ला आलमपुर गौशाला का औचक निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गौवंशों के लिए रखा गया भूसा खुले में मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा संम्बंधित कर्मचारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने गौशाला में गौवंशों के रख-रखाव, हरे चारे, पेयजल एवं साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। तथा गौवंशो की गणना की ?उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए भूसे को सुरक्षित स्थान पर रखा जाए।ताकि वह खराब न हो और गौवंशों को पर्याप्त चारा उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने संम्बंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं उचित रखने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक अजीत कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने एसडीएम को गौशाला की व्यवस्थाओं की जानकारी दी तथा निर्देशों का समयबद्ध पालन कराने का आश्वासन दिया। एसडीएम ने कहा कि बरसात के मौसम में परिसर में जलभराव तथा कीचड़ किसी भी सूरत में नहीं रहना चाहिए। गौशाला में 5 केयर टेकर ड्यूटी में मौजूद रहे।

कुठौंद पुलिस ने किया वारंटी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद (जालौन): कुठौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत-पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कुठौंद पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना कुठौंद पुलिस लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त जयकिशन पुत्र राम बहादुर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जालौन के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा प्रसाद दुबे कुठौंद के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए जय किशन पुत्र राम बहादुर निवासी ग्राम मदारीपुर उम्र करीब 30 वर्ष को हदरूख के आगे जालौन की ओर चौहान ढाबा के पास प्रतीक्षालय से दिनांक 7,7.2026 थाना कुठौंद, जनपद जालौन को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कुठौंद में दर्ज अपराध संख्या दांडिक प्रकीर्ण बाद संख्या 558 / 2025 धारा 128 के तहत मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहा था, जिसके चलते माननीय न्यायालय ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इस सफल कारवाई में हदरूख चौकी प्रभारी मुकेश कुमार गौतम, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार एवं कांस्टेबल लोकेश कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पहली बरसात में ही खुल गई सड़कें बनाने वाले ईमानदारों की पोल

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। मानसून की पहली बारिश ने पीडब्ल्यूडी द्वारा बनवाई गई सड़को की कलई खोल कर रख दी है। सड़को में पानी भर जाने से वह तालाब का रूप अख्तियार कर लिया है। जिससे कई गांवों के लोगो को आवागमन में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। तहसील मुख्यालय से जाने वाला नौ किमी मार्ग का एक माह पूर्व लेपन कार्य हुआ था अभी पूरा साल ही बीता था कि पूरा मार्ग जर्जर होकर बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया। दो दिनों से शुरू हुई मानसूनी बारिश ने तो पूरे मार्ग की कलई ही खोल दी है। पूरे मार्ग में पानी भर जाने से तालाब बन गया है लोग पानी मँझाकर आवागमन को मजबूर है। लालजी राठौर टीकाराम राठौर उदयकरन राठौर बताते है कि बारिश से पूर्व तहसील से लेकर पीडब्ल्यूडी के जेई तक मार्ग ठीक करवाने की गुहार लगाई लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं किया। आज आलम यह है कि बड़ी आबादी गंदा पानी मँझाकर आवागमन को मजबूर है सबसे बड़ी समस्या स्कूल जाने वाले नन्हे मुन्ने बच्चों को हो रही है। कमोबेश यही हाल मीगनी असहना मार्ग, माधौगढ़ से रामपुरा की ओर से भीमनगर मार्ग का है। जो कई महीनों से जर्जर पड़ी है। ग्रामीण इन मार्गों की दुर्दशा का मुख्य कारण बनावट की गुणवत्ता में खामी की गई है

इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शासन की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एम एस वी इंटर कॉलेज कालपी में छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोतवाली की मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक ममतेश कुमारी ने छात्राओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में निडर होकर पुलिस से सहायता प्राप्त करें।

विधालय के क्लास रूमों में आयोजित कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक ममतेश कुमारी ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या अन्य अपराध की स्थिति में तत्काल इन सेवाओं का उपयोग करें। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अजनबियों से सतर्क रहने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मिशन शक्ति टीज़ के कर्मचारियों से संवाद स्थापित कर छात्राओं ने भी सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। जिनका महिला उपनिरीक्षक ने विस्तार से उत्तर दिया। विद्यालय के शिक्षकों आनन्द शर्मा, सुशील कुमार आदि ने जनजागरूकता अभियान की सराहना की है। कार्यक्रम में महिला सिपाहियों प्रीति त्यागी, लक्ष्मी उपाध्याय,नीतू के अलावा छात्राओं ने सहभागिता की।

दोस्त से मुलाकात, होटल में दरिंदगी और 18 गिरफ्तारियां. बच्ची के गैंगरेप मामले पर अब तक क्या-क्या हुआ?

(यंग भारत न्यूज)

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में 13 साल की बच्ची से होटल के कमरे में 30 से ज्यादा दरिंदों ने गैंगरेप और देह व्यापार के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है. पुलिस का दावा है कि पीड़िता को चार दिनों तक अलग-अलग होटल में बंधक बनाकर रखा गया और कई लोगों ने उसके साथ रेप किया. मामले की जांच तेजी से जारी है और अब तक 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर कुछ और लोगों की गिरफ्तारी भी जल्द हो सकती है. ऐसे में चलिए विस्तार से जानें कि अब तक इस पूरे मामले में क्या-क्या हुआ है. पुलिस जांच के मुताबिक, 18 जून को बच्ची अपने इंस्टाग्राम पर बने एक दोस्त से मिलने श्रीगंगानगर से करीब 100 किलोमीटर दूर विजयनगर गई थी. आरोप है कि वहीं उसके साथ पहली बार रेप किया गया. उसके बाद विजयनगर से बच्ची रात के समय बस के जरिए श्रीगंगानगर पहुंची. बस स्टैंड से उसने घर जाने के लिए रिक्शा लिया.

पुलिस के अनुसार, रिक्शा चालक उसे घर छोड़ने की बजाय एक होटल लेकर गया, जहां उसके साथ फिर से रेप किया गया. जांच में रिक्शा चालक की भूमिका भी सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस के मुताबिक, 18 जून की रात से 22 जून की दोपहर तक बच्ची को अलग-अलग स्थानों और तीन होटलों में ले जाया गया. जांच में सामने आया है कि इस दौरान कई लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया. पुलिस का आरोप है कि इस दौरान उससे देह व्यापार भी करवाया गया. जब बच्ची घर नहीं लौटी तो उसके परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी. काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिवार पुलिस के पास पहुंच गई. हालांकि पुलिस का कहना है कि परिवार की शिकायत दर्ज होने से पहले ही उन्हें घटना की जानकारी मिल गई थी और पीड़िता को बरामद कर लिया गया था. यह मामला महिला पुलिस स्टेशन से जुड़ा था, इसलिए महिला पुलिस स्टेशन इंचार्ज और चाइल्ड वेलफेयर कमिटी के सदस्य आए. हमने लड़की को उन्हें सौंप दिया. महिला पुलिस स्टेशन इंचार्ज कलावती चौधरी ने बताया कि लड़की की शिकायत के आधार पर, हमने एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, प्रॉस्टिट्यूशन और दूसरी संबंधित धाराओं के तहत स्वतंत्र दर्ज की है. एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि लड़की ने बताया कि 20 से 25 लोगों ने उसके साथ रेप किया. मामले की जांच के दौरान पुलिस ने इंस्टाग्राम दोस्त, रिक्शा चालक और अन्य आरोपियों सहित अब तक कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है. सभी आरोपी वयस्क बताए गए हैं. पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस होटलों और आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है. अधिकारियों के मुताबिक, फुटेज के आधार पर तीन से चार और लोगों की पहचान हुई है, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सकता है. जिन तीन होटलों में बच्ची को ले जाने के बाद उसके साथ गैंगरेप किया गया, उन पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया. प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच के साथ-साथ होटल संचालकों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है. घटना सामने आने के बाद श्रीगंगानगर में लोगों का गुस्सा देखने को मिला. विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जल्द से जल्द कड़ी सजा की मांग की.

ससुर ने वर्दी वाली को भी नहीं छोड़ा, अपनी ही दरोगा बहू को बनाया हवस का शिकार; कमरे में घुस सर पर रखी बंदूक और.

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की राजधानी लखनऊ से कुछ दिन पहले एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया था, जहां प्रयागराज में तैनात एक महिला दरोगा ने अपने ही ससुर पर जबरन दुष्कर्म, जानलेवा हमला करने और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के कई गंभीर आरोप लगाए थे. बता दें कि पीडिता मूल रूप से पारा थाना क्षेत्र की रहने वाली है और प्रयागराज में दारोगा पद पर तैनात है. महिला ने बताया कि उसकी शादी 24 फरवरी 2025 को शुभम सिंह के साथ हुई थी. पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल वाले उसे जातिसूचक शब्द कहकर प्रताड़ित करने लगे. पीड़िता का पति ठाकुर समाज से है और दोनों ने अंतरजातीय विवाह किया था.

अलग जाति होने की वजह से पीड़िता को ससुराल में लागातार अपमानित किया जाता था, साथ ही उस पर नौकरी छोड़ने का दबाव भी बनाया जाता था. महिला दरोगा ने आरोप लगाया है कि जब उसने अपने साथ हो रहे अत्याचारों का विरोध किया तो ससुराल वालों ने उसे लाइसेंसी हथियार दिखाकर डराया- धमकाया और उसके साथ जबर दुष्कर्म किया गया.जब उसने अपने पति से पूरी बात बताई तो उसने साथ देने के बजाय चुप रहने का दबाव बनाया. पीड़िता की शिकायत के अनुसार 19 जनवरी 2026 को उसके पति ने उसके इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबध बनाएं. विरोध करने पर उसे जबरन चूहे मारने वाला जहर खिलाकर कमरे में बंद कर दिया गया. किसी तरह उसने अपने पिता को फोन करके घटना की पूरी जानकारी दी, जिसरे बाद गंभीर हालत में उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया. पीड़िता का आरोप है कि जब उसके पिता समझौते और बातचीत के लिए ससुराल पहुंच तो उनके साथ भी मारपीट की गई, पति ने लोहे की रॉड से उन पर हमला किया और रिवॉल्वर निकालकर धमकाया. वहीं 25 मई की सुबह पति द्वारा उस पर फायरिंग का भी आरोप है. जिसमें वो बाल-बाल बच गई और जान बचाने के लिए छत के रास्ते भगाकर किसी तरह खुद को सुरक्षित किया.

एसडीएम सुशील मिश्रा ने चैंबर में बुलाकर कीं अश्?लील बातें, धमकाया', हरदोई में महिला लेखपाल ने लगाए गंभीर आरोप

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के हरदोई में एक महिला लेखपाल ने एसडीएम पर अश ?लील बातें करने और धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि एसडीएम सुशील मिश्रा ने लेखपाल को फोन कर अपने चैंबर में बुलाया। उनकी जाति पूछी और कहा कि उनके चैंबर में पर्सनली काम करो। मना करने पर एसडीएम पर गंदी बातें करने और धमकाने लगे। महिला लेखपाल ने सोमवार शाम को एसडीएम के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। दूसरी ओर, एसडीएम सुशील मिश्रा ने महिला लेखपाल के आरोपों को गलत बताया है। उन?होंने कहा कि लेखपाल मनचाही जगह पर पोस्टिंग चाहती है। इसलिए झूठे आरोप लगा रही है। वहीं, पुलिस का कहना है कि महिला के आरोपों की छानबीन की जा रही है। इसके बाद

आवश ?यक कार्रवाई की जाएगी। यह पूरा मामला शाहाबाद तहसील का है। अपनी शिकायत में महिला लेखपाल ने कहा कि सोमवार को एसडीएम ने उसको अपने चैंबर में बुलाया। सबसे पहले उसकी जाति पूछी। जब मैंने बताया कि मैं अनुसूचित जाति का हूं। एसडीएम ने पूछा कि मुझे क ?या समस ?या है। मैंने कहा कि मुझे आंखों में दिक ?कत है। इस पर एसडीएम ने कहा कि आंखों में समस ?या तो मुझे भी है। मैं रात भर रील ?स देखता हूं और दिन में काम करता हूं। काम तो आपको भी करना पड़ेगा। दूसरी ओर, महिला लेखपाल के पिता ने कहा कि उनके पास बेटी का फोन आया। बेटी ने एसडीएम पर अभद्र व ?यवहार करने के आरोप लगाए। वह तुरंत एसडीएम ऑफिस पहुंचे और विरोध जताया। एसडीएम ने कहा कि यह मेरी लेखपाल है। मैं जो चाहूं वह कर सकता हूं। एसडीएम ने मेरे साथ भी अभद्रता की। उनके सुरक्षाकर्मियों ने भी मुझे धक ?का दिया। दूसरी ओर, एसडीएम सुशील मिश्रा ने कहा कि महिला लेखपाल के आरोप झूठे हैं। उसके पिता और साथ आए अन ?य लोगों ने मेरे साथ गलत व ?यवहार किया। उस वक ?त मेरे चैंबर में पांच कर्मचारी मौजूद थे। उनसे सच ?चाई का पता लगाया जा सकता है। आपको बता दें कि सुशील मिश्रा 2023 बैच के पीसीएस अफसर हैं। उनकी पहली पोस्टिंग सीतापुर में ट्रेनी एसडीएम के रूप में हुई थी। इसके बाद उनका तबादला हरदोई हो गया था। वहां उन ?हें एसडीएम सदर पद की जिम ?मेदारी सौंपी गई। ढाई महीने पहले ही उनका ट्रांसफर शाहाबाद तहसील में किया गया।

कार का शीशा तोड़ा, सड़क पर घसीटा और... शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर रिटायर्ड आईएएस के बेटे ने पार की हैवानियत की हदें

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। प्रदेश के कानपुर जिले के बिठूर क्षेत्र में विवाह का प्रस्ताव ठुकराने पर एक विधवा महिला पर कथित तौर पर ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के बेटे को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, हमले के लगभग 24 घंटे बाद महिला को होश आया। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार की है। आरोपी देवाशीष निगम (38) कथित तौर पर महिला को आईआईटी-कानपुर परिसर के पास से अपनी कार में बैठाकर बिठूर के ब्रह्म घाट की ओर ले गया। रास्ते में उसने महिला पर विवाह के लिए दबाव बनाया। महिला के इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। प्राथमिकी और प्रारंभिक जांच के अनुसार, निगम ने रेलवे सर्विस लेन के पास स्थित मॉडल डेरी के निकट कार रोक दी और वाहन के भीतर ही कथित तौर पर महिला पर ईंट से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, जब महिला ने कार का दरवाजा बंद कर खुद को बचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने कथित तौर पर कार का शीशा तोड़ दिया, उसे सड़क पर घसीटा और उसके सिर तथा शरीर पर कई बार वार किया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी की कथित तौर पर पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़िता की बहन ने आरोप लगाया कि देवाशीष निगम लंबे समय से उसकी बहन पर विवाह के लिए दबाव बना रहा था और पहले भी उसे धमकी दे चुका था। उन्होंने आरोप लगाया कि वह कहा करता था कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, क्योंकि उसकी मां सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। पुलिस ने आरोपी की पहचान स्वरूप नगर स्थित राज टावर निवासी देवाशीष निगम के रूप में की है। अधिकारियों ने बताया कि उसकी मां चंद्रा निगम भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। पुलिस के अनुसार, देवाशीष निगम का विवाह वर्ष 2014 में हुआ था और उसकी एक बेटी है, लेकिन वह पिछले 6 महीने से अपनी पत्नी से अलग रह रहा है।

अगले ही दिन घर छोड़ने वाला था परिवार, उससे पहले आधी रात...; मुंबई में 6 मौतों की खौफनाक कहानी

(यंग भारत न्यूज)

एक दिन की बात थी... नए घर में शिफ्ट होने की तैयारी पूरी कर ली थी, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। मुंबई के मानखुर्द इलाके में रविवार रात जनता नगर में एक चार मंजिला अवैध इमारत अचानक ढह गई।

मलबे में दबकर एक मजदूर परिवार समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। मृतकों में 38 वर्षीय अख्तर जहां, उनके चार नाबालिग बच्चे और पड़ोसी की सिर्फ 7 वर्षीय बेटी आलिया शामिल हैं। अख्तर जहां एक साधारण मजदूर की पत्नी और चार बच्चों की मां थीं। परिवार पिछले कई वर्षों से जनता नगर के टिन-शीट वाले छोटे से मकान में रह रहा था। पड़ोसियों ने बताया कि बगल वाली चार मंजिला इमारत में पिछले कुछ दिनों से लगातार दरारें पड़ रही थीं। टाइलें गिर रही थीं और पूरी इमारत एक तरफ झुकती नजर आ रही थी। खतरे को भांपते हुए अख्तर जहां ने रविवार सुबह ही मकान खाली करने का फैसला कर लिया था। परिवार सामान पैक कर रहा था और सोमवार सुबह शिफ्ट होने वाला था।

अख्तर जहां के पति मोइनुद्दीन वाजिद अली शाह ने हादसे के कुछ देर पहले ही घर से बाहर निकलकर कुछ सामान खरीदने गए थे। लौटते समय उन्होंने जो मंजर देखा, वह शब्दों में बयां नहीं कर पा रहे हैं। मोइनुद्दीन ने भावुक होते हुए बताया कि मैंने परिवार को कल सुबह शिफ्ट होने को कहा था। बस एक दिन और... सब कुछ ठीक हो जाता। लेकिन भगवान को कुछ और ही मंजूर था। मेरी पूरी दुनिया मलबे के नीचे दब गई। वहीं, हादसे के बाद आस-पास के लोग दौड़ पड़े। पास की दुकान पर मौजूद 38 वर्षीय वसीम खान सबसे पहले मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि भयंकर आवाज आई। लगा कोई बड़ा धमाका हुआ है। जब मैं पहुंचा तो चारों तरफ सिर्फ धूल और मलबा था। कंक्रीट के बड़े-बड़े स्लैब, लोहे की छड़ें और टूटे हुए फर्नीचर बिखरे पड़े थे। नंगे हाथों से कुछ भी हटाना मुश्किल था। उन्होंने आगे कहा कि कुछ ही मिनटों में सैकड़ों स्थानीय निवासियों ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। रात भर चले इस अभियान में पहले बच्चे को निकालने में डेढ़ घंटे से ज्यादा समय लगा। अंतिम शव रात करीब 11 बजे निकाला गया। स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मिलकर मलबा हटाया। सभी घायलों को तुरंत शताब्दी अस्पताल और राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, मानखुर्द पुलिस ने सोमवार सुबह इमारत के मालिक अब्दुल वाहिद और गुलाम रजा सैयद को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर गैर-इरादतन हत्या, लापरवाही से मौत का कारण बनना और अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरी हुई इमारत पूरी तरह अवैध थी। इसे घटिया सामग्री का इस्तेमाल करके बनाया गया था। मालिकों को इमारत के खतरनाक होने की पूरी जानकारी थी, लेकिन उन्होंने न तो मरम्मत कराई और न ही रहने वालों को चेतावनी दी।

शादीशुदा थी सिया गोयल! 4 महीने पहले ही बनी थी पत्नी, व्हाट्सएप चैट ने खोला सबसे बड़ा राज

(यंग भारत न्यूज)

लोहगढ़ किले से धक्का देकर केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले में एक बेहद चौंकाने वाला मोड़ आया है। पुलिस जांच और डिजिटल सबूतों से खुलासा हुआ है कि मामले की मुख्य आरोपी और केतन की मंगेतर सिया गोयल ने सह-आरोपी चेतन चौधरी से गुपचुप तरीके से शादी रचा ली थी। पुलिस का मानना है कि यह शादी सगाई से महीनों पहले ही हो चुकी थी।

न्यूज18 मराठी की एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आया है कि जांचकर्ताओं का मानना है कि सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले अपने-अपने परिवारों को बिना बताए गुपचुप शादी कर ली थी। इस बात का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन से रिकवर की गई वॉट्सऐप चैट्स को खंगाला। जांचकर्ताओं ने मामले की तह तक जाने के लिए आरोपियों के पिछले 6 से 7 महीने के कॉल रिकॉर्ड्स, लोकेशन डेटा, वॉट्सऐप चैट और इंटरनेट सर्च हिस्ट्री की गहन जांच की है। पुलिस का दावा है कि इस डिजिटल एक्टिविटी से साफ होता है कि दोनों ने अपनी शादी की बात परिवारों से छिपाकर रखी थी। पुलिस को संदेह है कि सीक्रेट मैरिज के बाद ही केतन अग्रवाल को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रची गई। पुलिस के मुताबिक, केतन अग्रवाल की हत्या की पहली कोशिश 14 जून को की गई थी, लेकिन वह नाकाम रही। जांचकर्ताओं का दावा है कि सिया ऐन मौके पर डर गई और पीछे हट गई, जिसकी वजह से वह प्लान फेल हो गया था। पुलिस का कहना है कि इसके बाद दोनों आरोपियों के बीच कई मैसेज का आदान-प्रदान हुआ, जिसमें आगे की साजिश पर चर्चा की गई। पुलिस के हाथ एक ऐसी अहम वॉट्सऐप चैट लगी है, जिसने इस हत्याकांड की पूरी कहानी साफ कर दी है। रिकवर किए गए एक मैसेज में कथित तौर पर सिया ने चेतन से कहा कि वह अकेले इस काम को अंजाम देने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है, इसलिए उसने चेतन को अपने साथ आने के लिए कहा। जांचकर्ताओं के मुताबिक, सिया ने मैसेज में लिखा था: 'मुझमें इसे करने की हिम्मत नहीं है, तुम भी आ जाओ- हम दोनों मिलकर उसे चट्टान से धक्का दे देंगे।' पुलिस का दावा है कि इस खौफनाक बातचीत के बाद 18 जून को कथित तौर पर दोनों ने मिलकर केतन अग्रवाल की हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में सिया गोयल और चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच लगातार जारी है और यह पूरा केस कोर्ट के विचाराधीन है।

प्राइवेट पार्ट को जलाया, फिर जिंदा तालाब में डुबाया, 12 साल की लड़की से हैवानियत पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आई

(यंग भारत न्यूज)

दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर में 12 साल की स्कूली छात्रा गैंगरेप-मर्डर केस का पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट दिल दहलाने वाला है। गैंगरेप के आरोपियों ने बेरहमी की हद पार दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, नाबालिग लड़की के प्राइवेट पार्ट में न सिर्फ चोटों के निशान मिले, बल्कि जलाने के सबूत भी मिले। उसके सिर को भारी हथियार से कुचला गया। इतने जुल्म और जख्म के बाद भी जब आरोपियों ने देखा कि उसकी सांसें चल रही हैं तो उसे बोरी में बंद कर जिंदा पानी में फेंक दिया। इस केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी कस्टडी से फरार है। पुलिस ने 3 अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, बरुईपुर की लड़की शनिवार शाम करीब 4 बजे अपने दोस्त के बर्थडे के लिए गिफ्ट खरीदने घर से निकली, फिर वापस नहीं लौटी। रविवार सुबह धोपधोपी 2 ग्राम पंचायत में उसके घर के पास तालाब में उसका शव मिला। रेप-मर्डर की इस घटना से लोग उग्र हो गए। उन्होंने सियालदह-नामखाना रेलवे लाइन के पास विरोध प्रदर्शन किया। रविवार को सीसीटीवी से पहचाना गया एक संदिग्ध इंद्रजीत तांती को लोगों ने पहचान लिया। भीड़ ने इंद्रजीत को जमकर पीटा। उसके बचाने आई पुलिस और सुरक्षा बलों से लोग भिड़ गए। पुलिस इंद्रजीत को भीड़ से निकालने में सफल हो गई मगर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस केस में आनंद सरदार, दिवाकर सरदार और प्रभास मंडल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस केस में लड़की के परिजनों ने चार लोगों को नामजद किया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने आनंद को

पकड़कर रविवार को पुलिस को सौंप दिया था, लेकिन वह रहस्यमय तरीके से सूर्यपुर पुलिस कैंप से गायब हो गया। सोमवार को पुलिस ने प्रभास और दिवाकर को बारुईपुर कोर्ट में पेश किया, जहां उनका बचाव करने के लिए कोई वकील आगे नहीं आया। दोनों को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना से दक्षिण 24 परगना से कोलकाता तक राजनीतिक भूचाल आ गया। 15 साल बाद विपक्ष में बैठी टीएमसी ने इस मुद्दे पर शुभेंदु अधिकारी को घेर लिया। लेफ्ट पार्टियों का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी फोन पर लड़की के माता-पिता से बात की और न्याय का भरोसा दिया। अब लड़की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से दिल दहलाने वाले तथ्य सामने आए हैं। 12 साल की लड़की के साथ रेप और बेरहमी से टॉर्चर किया गया था। सिर के पिछले हिस्से पर चोट के निशान मिले, जिससे काफी खून बह गया था। उसके फेफड़ों में गंदा पानी मिला, जिससे पता चलता है कि तालाब में फेंके जाने के समय वह सांस ले रही थी। रिपोर्ट में मौत की संभावित वजह बहुत ज़्यादा खून बहना और डूबने से दम घुटना बताया गया पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंग-रेप, हत्या, सबूत मिटाने, आपराधिक साज़िश और पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी प्रभास ने बताया कि आनंद ने ही लड़की को अगवा करने और उसके पिता से 50,000 रुपये फिरौती मांगने की साज़िश रची थी। उसने लड़की को अगवा करने के बाद दिवाकर के हवाले कर दिया था। फिर बाद में आनंद ने उसे टॉर्चर किया और गला घोंटकर मार डाला। पुलिस जांच के दौरान शनिवार शाम 4:10 बजे सीसीटीवी फुटेज में प्रभास को लड़की के साथ चलते हुए देखा गया था।

हालैंड ने दागे शानदार दो गोल, पांच बार के चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराया

नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में, ब्राजील बाहर

ईस्ट रदरफोर्ड

एर्लिंग हालैंड ने 80वें मिनट में पहला गोल किया और निर्धारित समय के समाप्त होने से ठीक पहले एक और गोल दागा, जिससे नॉर्वे ने पांच बार के चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराकर पहली बार विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस युवा स्ट्राइकर को मैच में अधिकतर समय गेंद को स्पर्श करने के कम ही मौके मिले लेकिन जब महत्वपूर्ण अवसर पर गेंद उनकी जद में आई तो उन्होंने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर दिखा दिया कि वह कितने प्रतिभाशाली हैं। हालैंड ने हाफ टाइम के बाद मैदान में उतरे एंड्रियास शेल्डरुप के बेहतरीन पास पर गेंद को अपने दाहिने तरफ से गोल में पहुंचाया। यह छह फुट पांच इंच लंबे हालैंड का विश्व कप में छठा गोल था, जिसका जश्न शेल्डरुप ने उनकी पीठ पर चढ़कर मनाया। शेल्डरुप ने इसके बाद हालैंड के विश्व कप में सातवें गोल करने में भी मदद की और फिर उसी तरह से जश्न मनाया।

मेस्सी, एमबाप्पे की बराबरी पहुंचे हालैंड

इस गोल से हालैंड ने मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने के मामले में लियोनेल मेस्सी और काइलियन एमबाप्पे की बराबरी कर ली। ब्राजील की तरफ से नेमार ने स्टॉपेज टाइम के अंत में पेनल्टी किक पर गोल किया, जिससे उनकी हार का अंतर ही कम हुआ। हालैंड ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार 14 प्रतियोगी मैचों में गोल करने का सिलसिला जारी रखा। इस दौरान उन्होंने 21 गोल किए हैं। नॉर्वे के लिए वह 54 मैचों में 62 गोल कर चुके हैं। नॉर्वे की इस जीत में उनके गोलकीपर ओरजान न्यलैंड की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने कुछ शानदार बचाव किए।

नेमार ने इंटरनेशनल फुटबॉल को कहा अलविदा

ईस्ट रदरफोर्ड। स्टार स्ट्राइकर नेमार ने ब्राजील के विश्व कप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। नेमार ने कहा, जैसे अपनी तरफ से प्रयास किए। इसकी शुरुआत मेटलाइफ स्टेडियम में हुई थी और यहीं पर इसका अंत हुआ। अब यह सब खत्म हो चुका है। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 9 अगस्त 2010 को इसी स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ मैत्री मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने नॉर्वे के खिलाफ बेंच से मैदान में उतरने के बाद अंतिम मिनटों में पेनल्टी किक पर गोल किया। दाहिनी पिंडली में चोट के कारण नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से केवल दो में ही खेल पाए। ग्रुप चरण में वह स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ 15 मिनट के लिए मैदान पर उतरे थे। एक दशक से अधिक समय तक ब्राजील के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे नेमार हाल के वर्षों में चोटों से जूझते रहे, जिससे वह अपनी पूरी क्षमता से नहीं खेल पा रहे थे। ब्राजील फुटबॉल की जिम्मेदारी अब अगली पीढ़ी संभाल रही है।

जीत के बाद जश्न में डूबा नॉर्वे

ईस्ट रदरफोर्ड। पांच बार के चैंपियन ब्राजील पर 2-1 से मिली जीत में दोनों गोल करने वाले एर्लिंग हालैंड का मन नॉर्वे की गलियों में घूम रहा है, जहां हजारों की तादाद में फुटबॉलप्रेमी साथ में 'वाइकिंग रो' जश्न मना रहे हैं। हालैंड ने इस असाधारण जीत के बाद कहा, 'नॉर्वे की सड़कों को देखो। मैंने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। काश मैं ओस्लो में होता और उन लोगों के साथ जश्न मना रहा होता।' लेकिन नॉर्वे फुटबॉल टीम के लिए अच्छा है कि वह अमेरिका में है और चौथा विश्व कप में लगातार गोल करके 55 लाख के करीब आबादी वाले अपने देश को जश्न मनाने के मौके लगातार दे रहे हैं। ओस्लो में टाउन हॉल के बाहर चौक पर करीब 50 हजार प्रशंसक मौजूद थे, जिन्होंने बड़े में नॉर्वे फुटबॉल का स्वाभाविक पहलू रखा था। नॉर्वे के युवराज हाकोन सेंटर फैंस के बाहर प्रशंसकों से मिले और मैच के बाद 'वाइकिंग रो' में भी हिस्सा लिया। अब दुनिया भर में लोकप्रिय हुए 'वाइकिंग रो' में सभी प्रशंसक जमीन पर एक लाइन में बैठ जाते हैं, मानो वे किसी पुरानी 'वाइकिंग लॉन्गबोट' (लम्बी नाव) में बैठे हों। फिर एक लीडर ड्रम बजाना शुरू करता है। ड्रम की बीट के साथ हजारों फैन एक साथ अपने हाथों से नाव चलाने का एक्शन करते हैं और पूरे ताकत से 'रो' चिल्लाते हैं।

इंग्लैंड ने रोका मैक्सिको का अजेय अभियान, अंतिम 16 में बनाई जगह

मैक्सिको सिटी। इंग्लैंड की एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम से कुछ कड़वी यादें जुड़ी थी जबकि मैक्सिको विश्व कप में हमेशा यहां से सुखद अनुभूति के साथ ही लौटा था लेकिन इसका उल्टा हो गया। इंग्लैंड ने मैक्सिको को अंतिम 16 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में 3-2 से पराजित करके विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने 98 सेकंड के अंतराल में दो गोल किए और हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदला जब इंग्लैंड 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे इंग्लैंड ने इस स्टेडियम में मैक्सिको को विश्व कप में पहली हार का स्वाद चखाया। इंग्लैंड सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में नॉर्वे का सामना करेगा। यह वही स्टेडियम है, जहां 1986 के विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में डिएगो माराडोना के कुख्यात 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और सदी के सर्वश्रेष्ठ गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था।

खबर संक्षेप

अदिति ने हासिल किया तीसरा स्थान

डुलेनकोर्ट। गोल्फर अदिति अशोक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डुलेनकोर्ट विमेंस ओपन में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि दीक्षा डागर संयुक्त सातवें स्थान पर रहीं।

अदिति ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर नौ-अंडर 279 रहा। वह स्पेन की विजेता कैरोलिना लोपेज चाकान से तीन शॉट पीछे रहीं। चाकान ने अंतिम दौर में चार-अंडर 68 का कार्ड खेलते हुए कुल 12-अंडर 276 के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट (एक-ओवर 73) कुल नौ-अंडर के स्कोर के साथ उपविजेता रहीं। अदिति और दीक्षा ने अंतिम दौर की शुरुआत संयुक्त तीसरे स्थान से की थी। तब दोनों का स्कोर पांच-अंडर था और वे बेनेट से पांच स्ट्रोक पीछे थे।

16 जुलाई से चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट

चेन्नई। विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो 16 से 22 जुलाई तक आयोजित होने वाले चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स के चौथे सत्र में हिस्सा लेंगे।

इस 75 लाख रुपए इनामी राशि वाले टूर्नामेंट से महत्वपूर्ण फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे, जो अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे खिलाड़ियों के लिए अहम होंगे। प्रतियोगिता में दो बार के हैंड एंड ब्रेन चैंपियन अलीरेजा फिरोजा, 2026 कुंवर नेशनल चैंपियन निहाल सरीन, पूर्व कैंडिडेट्स चैलेंजर विदित गुजराती, अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस नीमन और पिछले साल के चैलेंजर्स चैंपियन प्रणेश एम भी खेलते हुए नजर आएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 'ओपनिंग मूव्स फोटोस्लॉट' टिकट पेश किया जाएगा, जिससे प्रशंसकों को अपने फोन और कैमरे के साथ टूर्नामेंट हॉल में जाने और दुनिया के कुछ सबसे बड़े स्टार शतरंज खिलाड़ियों की तस्वीरें और वीडियो लेने का खास मौका मिलेगा।

विम्बलडन

ओसाका ने विश्व नंबर-1 सबालेंका को हराया, क्वार्टर फाइनल में एंट्री

लंदन

जापान की नाओमी ओसाका ने विम्बलडन में इस साल के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में विश्व नंबर एक एरीना सबालेंका को 6-2, 7-6 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

मुकाबले से पहले सबालेंका इस वर्ष तीनों भिड़ंतों में ओसाका को हरा चुकी थीं, जिनमें पिछले महीने फ्रेंच ओपन के इसी दौर का मुकाबला भी शामिल था। ओसाका ने मैच के शुरुआती सेट में अपना सब कुछ झोंक दिया और उनकी यह रणनीति कारगर रही। ओसाका की तेज और सपाट ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने सबालेंका बेबस नजर आईं।

ओसाका ने मनाया जीत का उत्सव

ओसाका ने कहा, 'क्ले कोर्ट पर मुझे लगा कि वह लगातार मुझे बैकफुट पर धकेल रही थीं। इस बार मेरी कोशिश थी कि मैं पहले उन पर दबाव बनाऊं।' जीत के बाद ओसाका ने मुट्ठियां लहराकर जश्न मनाया, मुस्कुराईं और रैकेट सिर के ऊपर उठाकर घूमते हुए सेंटर कोर्ट पर अपने करियर की पहली जीत का उत्सव मनाया।

ओसाका के सामने अब मुचोवा की चुनौती

अंतिम आठ में ओसाका के सामने अब कारोलिना मुचोवा की चुनौती होगी। मुचोवा ने मौजूदा चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-5, 6-7, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। इसके परिणाम के साथ यह भी तय हो गया कि इस बार विम्बलडन महिला एकल में नया चैंपियन मिलेगा। महिला एकल के अन्य मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने बेलिंडा बेनचिच को 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना हमवतन जेसिका पेगुला से होगा, जिन्होंने अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी इवा जोविच को 4-6, 6-3, 6-1 से पराजित किया।

श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज का पलटवार

दूसरा टेस्ट : शाई होप और ग्रीव्स ने की शानदार साझेदारी

नॉर्थ साउंड

कप्तान शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स के बीच पांचवें विकेट के लिए 174 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 318 रन बना लिए। टीम अब भी श्रीलंका के 9 विकेट पर 549 रन पर पारी घोषित स्कोर से 231 रन पीछे है।

अब तक गिरे सिर्फ 13 विकेट

धीमी रफ्तार से आगे बढ़े दिन के खेल में केवल तीन विकेट गिरे, जबकि कुल 260 रन बने। टेस्ट के पहले तीन दिनों में अब तक सिर्फ 13 विकेट ही गिरे हैं, जो बल्लेबाजों के अनुकूल पिच का संकेत है। स्टंप्स के समय होप 86 और ग्रीव्स 85 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों अपने-अपने टेस्ट करियर के क्रमशः पांचवें और तीसरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही उनकी नजर न्यूजीलैंड के खिलाफ दिसंबर में वेलिंगटन में बनाई गई 196 रन की अपनी अटूट साझेदारी के रिकॉर्ड पर भी है।

सीरीज में वेस्टइंडीज 1-0 से आगे

वेस्टइंडीज दो मैचों की श्रृंखला में पहले टेस्ट में पारी और 221 रन की बड़ी जीत के बाद 1-0 से आगे है। ऐसे में तीसरे दिन श्रीलंका पर मैच में बढ़त बनाने की जिम्मेदारी थी, लेकिन सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम की सपाट पिच पर उसके गेंदबाजों को विकेट हासिल करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

युवा वनडे : भारत का मजबूत स्कोर अन्वय द्रविड़ ने खेली शानदार पारी

हंबनटोटा

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों में 87 की शानदार पारी खेली, जिससे भारत अंडर-19 टीम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे युवा वनडे मैच में सभी विकेट खोकर 285 रन बनाए।

भारतीय टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 81 रन था। अन्वय (नौ चौके और एक छक्का) और अर्जुन राजपूत (76) ने टीम को संकट से उबारा। विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय और राजपूत ने पांचवें विकेट के लिए 145 रन जोड़कर भारत को 221 रन तक पहुंचाया। राजपूत के आउट होने से यह साझेदारी टूटी। अन्वय ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 47 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्रैंड शतरंज टूर

प्रज्ञानानंदा की शानदार वापसी हासिल किया तीसरा स्थान

जाग्रेब

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर के क्रोएशियाई चरण के अंतिम दिन शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने 23.5 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया।

प्रज्ञानानंदा ने फ्रांस के ही मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ 21.5 अंक जुटाकर संयुक्त तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दिन की शुरुआत जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार के साथ की लेकिन इसके बाद अंतिम आठ बाजियों में छह अंक जुटाकर शानदार वापसी की। उन्हें दूसरी हार हमवतन और मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश के खिलाफ मिली, जबकि उन्होंने टूर्नामेंट विजेता फिरोजा को हराने में सफलता हासिल की।

अलीरेजा नहीं रख पाए लय बरकरार

ब्लिट्ज के पहले दिन नौ में से आठ अंक हासिल कर शानदार शुरुआत करने वाले अलीरेजा अंतिम दिन लय बरकरार नहीं रख सके और केवल पांच अंक ही जोड़ पाए। इससे उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी कुल 23.5 अंकों के साथ उनकी बराबरी कर ली। इसके बाद खिताब का फैसला टाई-ब्रेक से हुआ। शुरुआती दो मुकाबले बराबरी पर छूटने के बाद आर्मागेडन मुकाबले में काले मोहरों से खेल रहे अलीरेजा ने ड्रॉ खेलकर खिताब अपने नाम किया।

गुकेश 18.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर

जर्मनी के विंसेंट कीमर 20 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश 18.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे।

तीसरे टी20 में आज इंग्लैंड के खिलाफ कांटे का मुकाबला

टीम इंडिया में बदलाव के संकेत, बिश्नोई हो सकते हैं बाहर

नॉटिंघम

ब्रिटेन दौरे पर अब तक जीत का स्वाद चखने में नाकाम रही भारतीय टीम मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में संयोजन में बदलाव कर सकती है। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में टीम प्रबंधन अतिरिक्त तेज गेंदबाज को अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह खतरे में दिखाई दे रही है।

अय्यर की कप्तानी में तीन मुकाबले हारी टीम

अय्यर की कप्तानी में भारत अब तक चार में से तीन मुकाबले हार चुका है। इनमें आयरलैंड के खिलाफ 0-2 की अप्रत्याशित श्रृंखला हार भी शामिल है। ऐसे में टीम के लिए तीसरा टी20 'करो या मरो' जैसा मुकाबला बन गया है। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में बिश्नोई पूरी तरह लय से बाहर नजर आए। उन्होंने तीन 'बैक फुट नो-बॉल' फेंकी और पारी के 17वें ओवर में 29 रन लुटाए। चार ओवर में बिना विकेट लिए 60 रन खर्च करने के बाद उनकी टीम में जगह पर सवाल उठने लगे हैं।

प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है मौका

विश्लेषकों का मानना है कि जब अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती पहले से मौजूद थे, तब अंतिम ट्रैफर्ड की परिस्थितियों में तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर की जरूरत नहीं थी। ट्रेंट ब्रिज की परिस्थितियों को देखते हुए बिश्नोई का अंतिम एकादश में शामिल होना मुश्किल माना जा रहा है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है। विकेट और पिच से अतिरिक्त उछाल हासिल करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर विकल्प बनाती है, जिससे 'बैक ऑफ द लेंथ' जैसे टी20 क्रिकेट में अपेक्षाकृत अलग साबित होती है।

सूर्यवंशी से आक्रामक पारी की उम्मीद

ट्रेंट ब्रिज की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। उनके साथ शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा भारतीय पारी की सबसे बड़ी उम्मीद हैं। पिछले छह महीनों से अहमदाबाद समेत अधिकतर मुकाबले सपाट विकेटों पर खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों ट्रेंट ब्रिज पर इंग्लैंड की अतिरिक्त उछाल, गेंद की हरकत और सैम कुरन जैसे गेंदबाजों की विविधताओं के सामने संघर्ष करना पड़ा है।

मैच का समय : रात 10:00 बजे

है कि उसे परिवार-समाज में मान-सम्मान मिले, उसका भी एक अस्तित्व हो। पर्सनल लाइफ में ही नहीं, प्रोफेशनल लाइफ में भी वह डिसीजनमेकर बने। नए दौर की स्त्री, आत्मविश्वासी होकर स्वाभिमान से जीवन जीना चाहती है। वह अपनी अस्मिता को लेकर पूरी तरह जागरूक रहती है।

अपनी अस्मिता के लिए जागरूक आज की स्त्री

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

स्त्री को सदैव सौम्यता की प्रतिमूर्ति माना गया है। जॉन ग्रे की प्रसिद्ध पुस्तक 'पुरुष मंगल से हैं, स्त्रियां शुक्र से', इस बात की पुष्टि करती है। मतलब स्त्रियां सौम्य और कोमल स्वभाव की होती हैं। आमतौर पर परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल की भूमिका निभाती हैं। लेकिन आज सामाजिक परिवेश ही नहीं, व्यक्तिगत सोच भी तेजी से बदल रही है। स्त्रियां अब केवल 'वीनस' यानी अपनी सौम्य और पारंपरिक छवि से बाहर ही नहीं निकल रही हैं। वे मंगल यानी साहस और नेतृत्व के गुणों को भी अपना चुकी हैं। स्त्रियों की छवि अब केवल त्याग की प्रतिमूर्ति वाली नहीं रही, अब उनकी पहचान एक निर्णय लेने वाली, आत्मविश्वास से भरी स्त्री के रूप में उभरी है। पहले स्त्रियों को केवल 'देखभाल' और 'ममता' से जोड़कर देखा जाता था। आज उनकी छवि 'अल्फा फी-मेल' की है, जो घर और ऑफिस दोनों मोर्चों पर नेतृत्व करती हैं। अब वे केवल एक 'सपोर्ट सिस्टम' नहीं, बल्कि 'सिस्टम' चलाने वाली बन गई हैं।

स्वयं की पहचान पहले

आधुनिक स्त्रियों की आदतों में एक बड़ा बदलाव यह आया है कि वे दूसरों की जरूरतों से पहले अपने आत्म-सम्मान और करियर को प्राथमिकता देने लगी हैं। आज स्त्रियों के लिए उनकी अपनी पहचान किसी भी रिश्ते से ऊपर है। वे खुद को खोकर किसी रिश्ते को बचाने के पक्ष में नहीं हैं। इससे पारंपरिक ढांचे से अलग 'जेंडर रोल्स' यानी लिंग आधारित भूमिकाएं अब अप्रासंगिक हो रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का प्रभाव

महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों के समीकरण बदल दिए हैं। अब वे केवल सुरक्षा के लिए रिश्तों में नहीं रहतीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देती हैं। खर्च करने और निवेश करने की आदतों में महिलाएं अब पुरुषों पर निर्भर नहीं हैं। वे अपनी वित्तीय योजनाएं खुद बनाती हैं, जो उनकी बढ़ती आत्मनिर्भरता का द्योतक है। अपनी कमाई को अपनी पसंद पर खर्च करना और अपने सपनों जैसे अकेले यात्रा करना या शौक पूरे करने के लिए समय निकालना उनकी जीवनशैली में शामिल हो गया है।

भावनात्मक अपेक्षाएं

आज की स्त्रियां अपने साथी से केवल घर चलाने में मदद नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर गहरी समझ और साझेदारी की उम्मीद करती हैं। बदलते सामाजिक ढांचे के कारण पुरुषों और स्त्रियों के बीच जो 'एक्सपेक्टेशन गैप' यानी अपेक्षाओं का अंतर पैदा हुआ है, उसे समझना ही सुखद जीवन की कुंजी है।

संचार का नया तरीका

आज की स्त्रियों के लिए संवाद केवल समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तिगत स्पेस को परिभाषित करने के लिए भी जरूरी हो गया है। आज स्त्री-पुरुष के बीच समानता के भाव आपसी टकराव की समस्या का निदान है। रिश्तों में 'अति प्रशंसा' के बजाय 'समान भागीदारी' ही एक रास्ता है, जिससे 'पावर' और 'मर्जी' के बीच की दूरी कम की जा सकती है। स्त्रियां अब 'मौन' रहने के बजाय, अपनी बात मुखरता से रखना पसंद करती हैं। रिश्तों में अपनी सीमाओं को तय करना अब उनकी आदत बन गई है।

पारिवारिक समीकरणों में बदलाव

आज की महिलाएं घर के कामों को केवल 'अपनी जिम्मेदारी' समझने के बजाय इसे साझा जिम्मेदारी के रूप में देखती हैं, परिवार के सदस्यों में काम के बंटवारे की मांग करती हैं। घर और करियर के बीच संतुलन बनाना अब केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक साझा पारिवारिक प्रयास है। अपनी पसंद-नापसंद को स्पष्ट रूप से कहना अब जरूरी माना जाने लगा है। वे अब रिश्तों में 'एडजस्टमेंट' के नाम पर अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करना चाहतीं।

सोशल नेटवर्किंग से जुड़ाव

आज की स्त्रियों की आदतों में डिजिटल साक्षरता और सोशल नेटवर्किंग शामिल हो गई है। वे दुनिया भर की जानकारियों से अपडेट रहती हैं, जिससे उनकी सोच का दायरा बंधी सीमाओं को पार कर गया है।

अपेक्षाओं का नया स्तर

आज की स्त्रियां जीवन साथी से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक और मानसिक बराबरी की उम्मीद करती हैं। उनकी अपेक्षाएं अब पारंपरिक मानदंडों से कहीं अधिक ऊंची हैं। पहले वे छोटे-बड़े फैसलों के लिए पुरुष पर निर्भर रहती थीं। आज अधिकांश महिलाएं महत्वपूर्ण निर्णय खुद ले रही हैं।

स्वास्थ्य के प्रति सजगता

अपनी सेहत को नजरअंदाज करने की पुरानी आदत को छोड़कर, अब महिलाएं योग, जिम और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही हैं। अब कोई महिला 'जीरो फिगर' के पीछे भागने के बजाय 'मजबूत शरीर' और 'सक्रिय जीवनशैली' को अपनी आदत बना रही है। उसके लिए फिटनेस अब सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि शक्ति के लिए है।

भावनात्मक आत्मनिर्भरता

पहले स्त्रियों को भावनात्मक रूप से कमजोर माना जाता था। आधुनिक स्त्रियां अब अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने अपनी आदतों में 'सेल्फ-लव' और मानसिक मजबूती को शामिल कर लिया है। पारंपरिक बेड़ियों का त्याग करके वे अब उन आदतों और रीति-रिवाजों को चुनौती दे रही हैं, जो उनकी प्रगति में बाधक हैं। पितृसत्तात्मक सोच को नकारने में वे अब हिचक नहीं रही हैं।

करियर और महत्वाकांक्षा

आज की स्त्रियों के लिए अब काम करना केवल समय बिताने का जरिया नहीं, बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा है। उनकी आदतों में अब 'नेटवर्किंग', 'कौशल विकास' और 'वैश्विक प्रतिस्पर्धा' प्राथमिकता पर हैं। आधुनिक स्त्रियों ने अपनी आदतों में 'डेलिगेशन' (काम सौंपना) सीख लिया है। वह हर काम खुद करके थकने के बजाय तकनीक और संसाधनों का स्मार्ट उपयोग कर रही हैं। कहने का सारांश यही है कि आज की स्त्रियां आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए वे पूरी तरह जागरूक हैं।

कभी-कभी गुस्सा, चिंता, उदासी, डर, अपराधबोध और आत्ममुग्धता जैसी नकारात्मक भावनाएं भी हमें सही दिशा देकर सफलता और सुखी जीवन की राह पर लाती हैं। इस बारे में जानिए।

कभी-कभी नकारात्मक भाव भी आपके लिए हो सकते हैं फायदेमंद

मनोभाव

अंजू जैन

यह बात पूरी तरह सच नहीं है कि केवल सकारात्मक भावनाएं ही जीवन में सफलता लाती हैं। कई बार बुरा वक्त और गुस्सा, चिंता, डर और अपराधबोध जैसी 'नकारात्मक भावनाएं' भी सफलता और विकास के लिए शक्तिशाली उपकरण साबित होती हैं। अपने पूरे व्यक्तित्व को स्वीकार करना सफलता और संतुष्टि के लिए जरूरी है। समय-समय पर दुनिया भर के मनोविज्ञानियों, व्यवहार विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों द्वारा किए गए अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि नकारात्मक बातें भी हमारे लिए उपयोगी साबित होती हैं, कैसे जानिए-

गुस्से की शक्ति: गुस्सा हमेशा बुरा नहीं होता। यह वो ऊर्जा है, जो हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति देता है। जब हम किसी बात पर गुस्सा होते हैं, तो हमारा शरीर सक्रिय हो जाता है। गुस्से को यदि सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए, तो यह अपनी सेल्फ रेस्पेक्ट की रक्षा करने और समस्याओं को हल करने में ईंधन का काम करता है। गुस्सा हम में अधिकार की भावनाओं को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

चिंता एक रक्षा तंत्र है: चिंता हमें संभावित खतरों के प्रति सचेत करती है, विपरीत परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। चिंता के वक्त हम अपने विभिन्न सहायता सूत्रों और अपनी छिपी हुई प्रतिभा का पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं।

अपराधबोध सुधार का मार्ग है: अपराधबोध हमें अपनी गलतियों को सुधारने और एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। जब हमें अपराधबोध होता है, तो हम अपने व्यवहार को सुधारने और दूसरों के साथ संबंध ठीक करने की कोशिश करते हैं। यह हमें नैतिक बनाए रखने में भी मददगार होता है।

ऊब-उदासी-दुःख से सीख: उदासी या ऊब जैसी असहज भावनाएं हमें अधिक विचारशील, साहसी और दूसरों के प्रति दयालु बनाने में मदद कर सकती हैं। अपने 'अंधेरे पक्ष' को दबाने के बजाय उसका उपयोग करके हम एक अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। सच्चा व्यक्तिगत विकास तब होता है, जब हम असहज स्थितियों जैसे ऊब, दुःख या अकेलेपन का सामना करते हैं। ऊब हमें कुछ नया खोजने के लिए प्रेरित करती है, जबकि दुःख हमें गहराई से सोचने और दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने में मदद करता है।

डर है सुरक्षा गार्ड जैसा: रॉबर्ट बिस्वास-डाइनर और टॉड काशदान द्वारा लिखित पुस्तक 'द अपसाइड ऑफ योर डार्क साइड' में बताया गया है कि डर को खत्म करने के बजाय इसे एक ईंधन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। डर हमें गलतियों के प्रति सतर्क रखता है। आप चाहें तो 'डिफेंसिव पेसिमिज्म' का उपयोग कर सकती हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तकनीक है, जिसमें हम जानबूझकर सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हैं। जैसे खुद से पूछें, 'अगर मैं फेल हो गया तो सबसे बुरा क्या होगा?' जब आप सबसे बुरे परिणाम का अंदाजा लगाकर इससे निपटने की योजना बना लेती हैं, तो आपका दिमाग शांत हो जाता है, क्योंकि अब आपके पास एक 'प्लान बी' है। यह आपको निडर होकर काम करने की शक्ति देता है।

आत्ममुग्धता के लाभ: माना कि अत्यधिक आत्ममुग्धता बुरी है, लेकिन संतुलित रूप से आत्ममुग्धता स्वस्थ आत्मविश्वास के रूप में काम करती है। थोड़ा-सी आत्ममुग्धता व्यक्ति को साहसी बनाती है, जिससे वह भीड़ से अलग हटकर अपनी बात रख पाता है और कठिन नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाने में सक्षम होता है। आत्ममुग्धता के कुछ लक्षण व्यक्ति को अधिक उत्पादक, रचनात्मक और महत्वाकांक्षी बना सकते हैं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

अभिभावकों द्वारा कभी बच्चों को गुस्से में कहे गए शब्द, उनके मन में ऐसी खरोंच छोड़ जाते हैं, जिसके घातक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है, बच्चों से कभी कुछ ऐसा ना बोलें, जो उनके दिल को गहरी चोट पहुंचाए, वे अपमानित महसूस करें।

बालमन पर न पड़े शब्दों की खरोंच..

अभिभावक हर हाल में अपने बच्चों की बेहतरी ही चाहते हैं। उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। एक ही परिवार के सदस्य होने के नाते माता-पिता बच्चों से औपचारिक संवाद भी नहीं करते। उनकी बातें ज्यादातर स्पष्ट और सीधी होती हैं। समस्या यह है कि कई बार सीधे-सीधे कह दिए गए कुछ शब्द बच्चों के मन में गहरे घाव कर जाते हैं। हाल में हुई एक दुःखद घटना में कानपुर के चौबीस वर्षीय युवा का सुसाइड नोट पिता के कहे कुछ शब्द दिल में बसी निरादर यादें बनकर रह जाने का ही मामला है। उसने अपने सुसाइड नोट में पिता के अत्यधिक कठोर बर्ताव और बचपन के टॉर्चर को मौत की वजह बताया। बचपन में छोटी-छोटी गलतियों पर पिता की मार और मार्क्स कम आने पर घर से निकालने की धमकियां उसके लिए बहुत कड़वी यादें बन गई थीं।

अपमान के घाव: आमतौर पर बड़े सोचते हैं कि बच्चों को मान-अपमान का बर्ताव समझ में नहीं आता। सहज आक्रोश हो या तीखी बहस, बड़े बहुत कुछ बोलकर भूल जाते हैं। जबकि ऐसे ताने-उलाहने बच्चों के मन पर सदा के लिए अंकित हो जाते हैं। जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही अभिभावकों से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों से उनका आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। दुनिया के सबसे सुंदर रिश्ते में भी बच्चे असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। जिन शब्दों को कहकर हम बड़े भूल जाते हैं, बच्चे याद रखते हैं। न केवल याद रखते बल्कि याद दिलाते भी हैं, 'आपने तो ऐसा कहा था ना!' आमतौर पर इंसान मन दुखाने वाली बातों को कभी नहीं भूला पाता। बच्चों का मन तो और कोमल होता है। उपेक्षा, अपमान और उपहास बहुत शिद्दत से याद रखता है। कानपुर का उक्त मामला बताता है कि अभिभावक अपने शब्दों को जरा सधकर इस्तेमाल करें। अपनी शिकायत हो या समझाइश, थोड़ा ठहराव बरतें।

इरादे पर भारी इमोशन: कहे गए शब्दों से आहत होकर सुसाइड करने, घर छोड़ने या अपने अभिभावकों से दूरी बना लेने के मामले आए दिन सामने आते हैं। अभिभावक भी ऐसा कुछ होने पर उलझन में पड़ जाते हैं, क्योंकि उनका इरादा अपने बच्चे के मन को ठेस पहुंचाने का नहीं होता। कभी परिस्थितिवश भी बहुत कुछ कह बैठते हैं तो कभी लहजा सख्त हो जाता है। समझना जरूरी है कि बच्चे, बड़ों के मन में छिपे इमोशंस को नहीं देख पाते। अभिभावकों के भले इरादे पर भी बालमन की आहत भावनाएं भारी पड़ जाती हैं। वे अभिभावकों को सबक सिखाने की बात सोचने लगते हैं। इसी इमोशनल बहाव में कोई पीड़ादाई कदम उठा लेते हैं। कई बार उम्र के एक पड़ाव को पार करने के बाद बच्चे अपने मन में दबे इस अपमान और दुःख को और गहराई से महसूस करते हैं। अभिभावकों का हर बात में कंट्रोल करना और स्नेह नहीं जताना, बच्चों को जिंदगी के प्रति उदासीन बना देता है। इसीलिए अभिभावकों की मंशा ही नहीं मनोबल बढ़ाने या तोड़ने वाले शब्द भी मायने रखते हैं।

दूसरों की मौजूदगी का दंश: कड़वे शब्दों के साथ अगर उपहास और बेइज्जती भी जुड़ जाए, तो वह दिल में कील की तरह धंस जाता है। दूसरों की मौजूदगी में किया गया अपमान बहुत गहरी टीस बन जाता है। इस युवा ने भी सुसाइड नोट में लिख छोड़ा है कि मोहल्ले और घर के बाहर अपशब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने की पीड़ा उसे आज भी थी। आमतौर पर हमारे परिवारों में बड़े भी एक-दूसरे से यह कहते दिखते हैं कि 'यह बात मुझे अकेले में कहते।' फिर घर के बड़े बच्चों को कुछ कहते-समझाते हुए यह बात क्यों भूल जाते हैं? अभिभावक घर के बाहर डांटने-डपटने की गलती तो बिल्कुल न करें। अभिभावकों को समझना होगा कि बालमन पर शब्दों की खरोंच न पड़े।

हेयर केयर

नैंसी गुप्ता

हेयर मास्क से मानसून में बाल रहेंगे हेल्दी

बारिश का मौसम बालों के लिए कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बाल रूखे, बेजान और फ्रिजी हो सकते हैं। साथ ही स्कैल्प में पसीना और गंदगी जमा होने से डैंड्रफ, खुजली और बाल झड़ने जैसी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू हेयर मास्क की मदद से मानसून में भी बालों की चमक और मजबूती बनाए रखी जा सकती है। बारिश के मौसम में बालों की देखभाल के लिए कुछ प्रभावी घरेलू हेयर मास्क के बारे में यहां बता रहे हैं।

दही-शहद का हेयर मास्क: मानसून में बालों में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। दही और शहद का मिश्रण बालों को गहराई से पोषण देने का काम करता है। इसके लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बालों की लंबाई पर लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। यह मास्क बालों को मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करता है।

करी पत्ता-नारियल तेल मास्क: करी पत्ता बालों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। कुछ करी पत्तों को पीसकर नारियल तेल में मिलाएं और इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इससे उन्हें पोषण मिलेगा।

केला-नारियल तेल मास्क: बारिश के मौसम में फ्रिजी बालों की समस्या आम होती है। इसे कम करने के लिए पके हुए केले में एक चम्मच नारियल तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस मिश्रण को बालों पर 25 से 30 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद बालों को धो लें। यह मास्क बालों को स्मूद बनाने के साथ-साथ उनकी प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाता है।

एलोवेरा-दही का मास्क: यदि स्कैल्प में खुजली या डैंड्रफ की समस्या हो रही है, तो एलोवेरा और दही का हेयर मास्क फायदेमंद हो सकता है। दो चम्मच ताजा एलोवेरा जैल में दो चम्मच दही मिलाकर स्कैल्प और बालों पर लगाएं। यह मिश्रण स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

मेथी-दही का मास्क: रातभर भिगोई हुई मेथी को पीसकर उसमें दही मिलाएं और बालों की जड़ों में लगाएं। लगभग आधे घंटे बाद बाल धो लें। यह मास्क बालों के झड़ने को कम करने और जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

(हेयर एक्सपर्ट ऐशानी वर्मा से बातचीत पर आधारित)

सजेशन

निधि गोयल

आप वर्किंग वूमेन हों या फिर हाउसवाइफ, अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान देना चाहिए। आपका बेली फैट न बढ़े, इसके लिए आप कुछ ईजी एक्सरसाइज को अपनी रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

ईजी एक्सरसाइज से बेली फैट होगा कम

आज के दौर में कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वूमेन तक और हाउसवाइफ भी अपनी फिगर को फिट रखना चाहती हैं। यह जरूरी भी है क्योंकि इससे न केवल आप एनर्जेटिक फील करती हैं, हर तरह की ड्रेस पहन सकती हैं। फिट फिगर को मेंटेन करने में महिलाओं के लिए कॉमन प्रॉब्लम बेली फैट होता है। इसे कंट्रोल करने के लिए रेग्युलर एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है तो भी कुछ एक्सरसाइज से आप अपने बेली फैट को कम कर सकती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

तेज चाल से वॉकिंग: रोजाना कुछ मिनट तेज चाल से वॉकिंग या रनिंग से सबसे जल्दी बेली फैट कम होता है। सो आप रोज सुबह, घर के बाहर किसी पार्क में या फिर सड़क किनारे तेज वॉकिंग कर सकती हैं। यदि वर्किंग हैं तो शाम को या फिर सुबह जल्दी उठकर तेज गति से वॉकिंग जरूर करें। कम से कम तीस से पैंतालीस मिनट की डेली फास्ट स्पीड वॉकिंग आपके बेली फैट को कम करने में बहुत कारगर है।

माउंटेन क्लाइंबर्स: माउंटेन क्लाइंबर्स एक्सरसाइज में आपको जमीन पर उलटे हाथ के पंजों और पैर के पंजों के बल पर शरीर को उठाना होता है। इसके साथ तेजी से घुटनों को एक-एक करके आगे पीछे करना होता है। इसे भी तीन सेट में आपको करना चाहिए। इससे पेट और कोर मसल्स को मजबूती मिलती है और पेट की चर्बी कम होने लगती है। इससे बेली टोंड दिखने लगता है।

प्लैंक: जब आप अपना एक्सरसाइज रूटीन खत्म कर लें, खासकर जंपिंग जैक्स के बाद, आप कुछ मिनट प्लैंक जरूर करें। दरअसल, हार्ड वर्कआउट से शरीर गर्म हो जाता है और प्लैंक करते ही पेट पर इसका सीधा असर पड़ता है। ऐसा रोज करने से बेली फैट तेजी से कम होता है और उसकी मसल्स में टोनिंग आ जाती है। इसे करने के लिए आपको पेट के बल लेटकर हथेलियों और पैर के पंजे के बल पर शरीर को ऊपर उठाना होता है। ज्यादा से ज्यादा समय तक ऊपर रोककर रखना होता है। हर बार जितना संभव हो स्टे टाइम को बढ़ाते रहना होता है।

जंपिंग जैक्स: बेली फैट को कम करने के लिए, जंपिंग जैक्स एक्सरसाइज भी बेहद फायदेमंद है। इसे तीन सेट में करना चाहिए। आरंभ में आप 15-15 स्टेप्स के तीन सेट में यह एक्सरसाइज करें। जंपिंग जैक्स करने से पूरी बॉडी की एक्सरसाइज होती है लेकिन इससे पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। यह एक्सरसाइज आप घर में कहीं भी खुली जगह में कर सकती हैं।

इन बातों पर ध्यान दें: जंक फूड खाने से बचें, ज्यादा से ज्यादा सलाद और फल खाएं। चीनी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। तली-भुनी चीजें कम से कम खाएं।

(फिटनेस इंस्ट्रक्टर राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

राष्ट्र वक्त संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अरजरिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी झांसी के माध्यम से प्रेषित किया गया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। राष्ट्र वक्त संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अरजरिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी झांसी के माध्यम से प्रेषित किया गया जिसमें विषय सड़कों पर जाम एवं अतिक्रमण और सट्टा माफिया पर कार्रवाई के संबंध में माननीय पिछले 5 वर्षों में झांसी की ट्रैफिक व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है लोग शहर के अंदर घंटो जाम में फंसे रहते हैं पूर्व के एक, एसपी सिटी द्वारा हर 100 मी बाद पढ़ने वाले चौराहों पर लाइट लगवा दी गई जिसके कारण भारी ट्रैफिक जाम की समस्या बीकेडी चौराहे से मेडिकल बाईपास तक बनने लगी इसी के साथ ही इलाइट चौराहे सहित अन्य चौराहा का बीच का गोला बड़ा किया गया एवं बेतरतीब तरीके से रास्ता सकरा होने के बाद भी बीच में डिवाइड और लगा दिए गए जगह-जगह चौराहा पर डिवाइडर लगाकर प्रशासन ने स्वयं जाम की समस्या उत्पन्न कर दी जबकि पूर्व में जब किसी प्रकार के कोई डिवाइड नहीं थे चौराहों पर ट्रैफिक सिपाही खड़े होते थे झांसी का ट्रैफिक आराम से चलता था आज गरीब आदमियों के हजारों के चालान किए जा रहे हैं जबकि जो मोडिफाइड ट्रक बनाकर रास्ते रास्ते में सड़ा गला सामान बेच रहे हैं उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है क्योंकि सबसे मंथली हिसाब बंधा हुआ है इसी तरह से बस स्टैंड से ईको गाड़ियां चलती हैं जिनका टैक्सी परमिट भी नहीं है लेकिन उनसे भी मंथली वसूली जाती है किसी प्रकार का कोई चालान उनका नहीं होता है परंतु आम जनमानस को विशेष रूप से जो भाजपा का संघ या समन्वय परिवार का कार्य करता है उसको अवश्य रोक कर 5 से 25000 का चालान कर दिया जाता है जो बेरोजगार बच्चे ?50 घर से पॉकेट मनी लेकर पेट्रोल डलाते हैं क्या वह इतना महंगा चालान भर सकते हैं ई-रिक्शा के ड्राइवर के सत्यापन व ऑटो रिक्शा के ड्राइवर का सत्यापन सरकार के आदेश के बाद भी नहीं किया गया क्योंकि सबसे मासिक वसूली की जाती है फुटपाथ पर चलने की जगह पर या तो वेंडिंग जोन बना दिए गए हैं या फिर खाने पीने की

मॉडिफाइड गाड़ियां खड़ी करवा दी गई स्मार्ट सिटी की करोड़ों रुपए से बनी आईकॉनिक सडके इस तरह से नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ की लापरवाही से बुरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में है

किसान बाजार से बस स्टैंड तक और अग्रसेन चौराहे तक सुबह 3:00 बजे से पूरी रोडो को घेर कर ट्रक खड़े हो जाते हैं और मुख्य मार्ग पर ही सब्जी उतार कर तोलने का काम करते हैं मेडिकल कॉलेज को शहर से यही मार्ग जोड़ता है बीमार होने की स्थिति में लोग नहीं निकाल पाते हैं सब्जी फल ठेले वालों व्यापारियों के हिसाब से ही आम जनता को नहीं निकलने दिया जाता है और जगह बेरीकेटिंग कर रोका जाता है कोई कुछ कहेगा तो फोटो खींचकर तुरंत हजारों रुपए का चालान कर दिया जाता है पूर्व में 2022 के मेयर के चुनाव में वादा किया गया था की सभी चालान माफ करवाए जाएंगे इसी तरह से 2024 के चुनाव में वादा किया गया की सभी चालान माफ करवाए जाएंगे और यह सभी चालान दो पहिया एवं चार पहिया कार के ओवर स्पीड के किए गए हैं सड़कों की ऐसी स्थिति है कि कोई गाड़ी को 20 से 40 के बीच ही चला सकता है इससे अधिक नहीं जब अधिकारियों से बात की जाती है तो वह कहते हैं की 60 की स्पीड के नीचे कोई चालान नहीं होगा परंतु 5 से 20 हजार से25000 कमाने वाले प्रति माह तीन से ?5000 के चालान भरते हैं ट्रैफिक के सिपाही सब इंस्पेक्टर दिनभर गाड़ियों को रोककर कैसे उनसे पैसे पैदा हो इसमें ही दिमाग लगाए रहते हैं जबकि उनका काम ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाना है उसमें भी अगर कोई बाहर के नंबर की गाड़ी आ जाए तो उसका 100% चालान होना ही है जहां पूरे देश भर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों की वजह से उत्तर प्रदेश की छवि उत्तम प्रदेश की बन रही है वही ट्रैफिक पुलिस इस छवि में दाग लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है प्रदेश भर का आंकड़ा मंगवा कर देख लीजिए छोटे से शहर झांसी में दो पहिया और चार पहिया प्राइवेट कार के चालान लखनऊ और नोएडा जैसी सिटी से भी अधिक मिलेंगे इसी तरह से ओवरलोड ट्रक, ट्रैक्टर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं परंतु मंथली लेने की वजह से सिर्फ उनकी एंट्री की जाती है और जो मंथली नहीं देता है उसी का चालान किया जाता है झांसी सदर विधायक ने भी ट्रैफिक व्यवस्था न सुधरने पर इलाइट चौराहे पहुंचकर सीटी बजाने की बात कही थी परंतु आज तक सदर विधायक भी सीटी बजाने नहीं पहुंचे झांसी में कुछ दिन पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आए थे उनके साथ एक अर्टिगा गाड़ी चल रही थी जिसमें सवार व्यक्ति के द्वारा उरई से ललितपुर तक लोगों की जेवे साफ की गई जिसमें झांसी में भी तीन लोगों की जेवो से ?200000 निकाल लिया उसको भी 24 घंटे के अंदर पकड़ लेने की बात की गई थी परंतु आज तक नहीं पकड़ा गया इसी तरह एक महिला गैंग धार्मिक आयोजनों में चेन स्नेचिंग की घटनाएं लगातार करता रहा है वह भी आज तक नहीं पकड़ा गया मंदिरों में चोरिया की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, झांसी मैं भी चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं रात्रि कालीन गस्त लंबे समय से नहीं हो रहा है इस वजह से यह घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं 600 करोड़ के सट्टा कारोबार में भी अनेकों लोगों पर इनाम घोषित किया गया पर एक भी इनामी आज तक नहीं पकड़ा गैंगस्टर लगाकर संपत्ति जप्त करने की बात थी उसे पर भी अभी कुछ नहीं हुआ है जबकि सट्टा माफिया इस अवैध कमाई को जमीनों में लगाकर काले धन को नंबर एक में कर रहे हैं विवेचक द्वारा इसमें बड़ा खेल किया गया है सिपाही रजत सिंह के द्वारा एक होनहार नाबालिक बिटिया जो सब इंस्पेक्टर बनना चाहती थी को अपने जाल में फंसा कर सट्टे के कारोबार में शामिल कर लिया गया और उस पूरे परिवार का भविष्य खराब कर दिया गया ना तो उस पर पास्को एक्ट की कार्रवाई हुई ना ही उसकी संपत्ति जप्त हुई सिर्फ उसकी बर्खास्तगी हुई है ना ही उससे जेल में जाकर पूछताछ हुई और ना ही रिमांड लेने की कोई आवश्यकता समझी गई बिटिया के द्वारा जो नाम बताए गए उनमें से दो नाम को अज्ञात कर दिया गया वह भी झांसी में सरकारी जमीनों के आसपास थोड़ी सी जमीन खरीद कर सरकारी सहित सब जमीन बेच दे रहे हैं इन सभी गलत कामों को एक बड़े नेता का संरक्षण प्राप्त है प्रदेश स्तर से एसआईटी गठन कर कर सभी मामलों की निष्पक्ष जांच हो जिससे सरकार की छवि धूमल करने वालों का प्रयास सफल न हो पाए इस अवसर पर प्रमुख रूप से दिलीप तिवारी गुड्डू शर्मा अर्पित शर्मा शिवम आकाश वर्मा नरेंद्र कुमार दीपक कुशवाहा गोलू यादव चंदन रैकवार मा प्रताप मनमोहन अनुज वर्मा समीर वर्मा वीर वर्मा अभय शर्मा पवन वंश का राजा अहिरवार अमित रायकवार निखिल वंशकार साहिल मिश्रा अन्ना पहलवान पंडित गप्पू हर्ष यादव शिवम अमन श्रीवास्तव आशुतोष द्विवेदी पार्षद अरविंद खटीक अवतार खटीक सहित सैकड़ो संख्या में राष्ट्र भक्त संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

फूल में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी.....

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी और साथ सज रही हैं श्री जनक की दुलारी..इस भक्ति गीत की यह पंक्तियां स्थानीय सिविल लाइन ग्वालियर रोड स्थित कुंजबिहारी मंदिर में चल रहे फूल बंगला श्रृंगार सेवा को लेकर सटीक बैठती है। पूर्व के वर्षों से तो यह फूल ?बंगला अक्षय तृतीया से गुरु पूर्णिमा तक पडने वाले प्रत्येक मंगलवार को ही सजाया जाता था परन्तु इस वर्ष महाराज श्री ने निर्णय लिया कि पूरे गर्मी के मौसम में यह फूल बंगला प्रतिदिन सजाया जायेगा जिसमें भगवान को गर्मी का अहसास न हो वह सब इंतजाम किये जायेंगे। इस वर्ष अक्षय तृतीया से शुरू हुआ यह क्रम अनवरत जारी है, जो गुरु पूर्णिमा तक चलेगा। कुंजबिहारी सरकार भक्त सेवा मंडल के युवाओं की यह लगन ऐसी है कि वे प्रति दिन एक से बढ़कर एक झांकियां सजाकर भगवान के श्री चरणों में अर्पित करते हैं, यही नहीं माता बहिनें भी सेवा में पीछे नहीं है। प्रात: से ही वे समय निकाल कर कुंजबिहारी सरकार और लाडली सरकार श्री राधारानी जू के लिए अति सुन्दर मनमोहक फूल माला,गजरा एवं ? जूड़ा आदि पूरी तन्मयता एवं लगन से बनाती हैं। आपको बताते चलें कि पूर्व में फूलबंगला सजाने हेतु कलाकार श्रीधाम वृन्दावन से आया करते थे परंतु महंत राधामोहन दास के निर्देशन में झांसी के युवाओं ने ही वृंदावन के कलाकारों से कारीगरी सीख ली और अब इतने पारंगत हो गये कि प्रतिदिन जो फूल बंगला सजाते हैं , वह इतना सुंदर और मनमोहक होता है

कि भक्तों को स्वत:ही मन मस्तिष्क में घर कर जाता है और ऐसा लगता कि आज का श्रृंगार और फूल बंगला बीते दिनों से अधिक सुंदर है। पर ऐसा नहीं सुंदर, अति सुन्दर और सबसे सुंदर ही प्रतिदिन लगता है, और वह है भगवान कुंजबिहारी और ? सर्वेश्वरी राधारानी की सुंदर और ? सलौनी छबि जो हर कोई उनके दर्शन कर उनकी मनोहारी छबि मन मस्तिष्क में उतारना चाहता है। प्रतिदिन की तरह फूलबंगला श्रृंगार सेवा का यह अनूठा क्रम मंगलवार को भी जारी रहा। बारिश की रिमझिम और खुशगवार मौसम के चलते इसकी सुंदरता में चार चांद लग गये, फिर विद्युत की अनुपम छठा ने भी समूचे मंदिर परिसर को मनोरम बना दिया। इस खुशगवार मौसम में भगवान श्रीकृष्ण एवं उनकी प्राण प्रियतमा राज राजेश्वरी राधिका सर्वेश्वरी जू की मनोहारी छवि की एक झलक पाने की ललक को मन में संजाये नगर के हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में उमड़ी। सायंकाल छह बजे से विद्वत परिषद कर्मकाण्डी विप्रजन, साधु संत,नगर के मंदिरों के पुजारियों एवं सभी दर्शनार्थियों को भण्डारे का प्रसाद परोसकर खिलाया गया। प्रात: काल मंदिर में विराजमान सभी विग्रह मूर्तियों का पावन अभिषेक उपरांत श्रृंगार कर झांकी सजायी गयी तथा भगवान श्री कुंजबिहारी एवं राधिका जू के पावन चरणों में दिव्य एवं भव्य फूल बंगला सजाया और अर्पित किया गया। इस वर्ष अक्षय तृतीया से शुरू हुई फूल बंगला श्रृंगार सेवा प्रतिदिन जारी है जो गुरु पूर्णिमा तक चलेगी। देशी-विदेशी फूलों की महक से कुंजबिहारी मंदिर का प्रांगण महक उठा तो दर्शनार्थी भी भगवान की छवि निहारते ही मोहित हो उनके समक्ष पहुंचते ही सुधबुध खो बैठते ऐसा प्रतीत हो रहा था। सायंकाल छह से शास्त्रीय संगीत समाज गायन किया गया,जिसमें बुन्देलखण्ड के ख्याति प्राप्त कलाकारों ने पद गायन किये तथा वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संगीत गायन एवं दर्शनों का सिलसिला देर रात्रि तक चलता रहा। तदुपरांत बुंदेलखंड धर्माचार्य राधामोहन महाराज ने भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करने पधारे सभी साधु संत एवं विप्रजनों को दक्षिणा भेंट कर? विदा किया। रात्रि शयन ? आरती कर महाराज श्री ने सभी को शुभाशीष देते हुए आभार व्यक्त किया। पुजारी बालकदास, पुजारी मनु महाराज एवं ? व्यवस्थापक पवनदास ने सभी व्यवस्थाएं संभाली।

रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में वन महोत्सव-2026 का भव्य समापन

(यंग भारत न्यूज)

पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के संकल्प को साकार करते हुए रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में 1 से 7 जुलाई तक आयोजित 'वन महोत्सव-2026' का मंगलवार को समापन हुआ। समापन अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने करंज का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा विश्वविद्यालय समुदाय से वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि वन महोत्सव का सप्ताह भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन पर्यावरण संरक्षण का संकल्प निरंतर जारी रहेगा। विश्वविद्यालय को आदर्श हरित परिसर बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है। वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों पर 500 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल की भी समुचित व्यवस्था की गई है, इससे विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सके। सह अधिष्ठाता डॉ एमजे डोबरियाल सप्ताह भर चला व्यापक वृक्षारोपण अभियान वन महोत्सव के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। मुख्य प्रवेश द्वार, शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों, अनुसंधान प्रक्षेत्रों तथा सड़क किनारे रिक्त स्थानों पर सहजन, करंज सहित विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

वेतन वृद्धि रोकने का विरोध; बीएसए को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं के निराकरण में हीलाहवाली पर लेखाधिकारी को आन्दोलन की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष जितेन्द्र दीक्षित के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से मिला। विद्यालय निपुण न होने पर शिक्षकों की वेतन वृद्धि रोके जाने पर विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि कुछ डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण आकलन करने के बाद डाटा सिंक न होने के तकनीकी त्रुटियों से विद्यालय शून्य प्रदर्शित हो रहे हैं। जबकि सप्ताह में सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान उक्त विद्यालयों के छात्र निपुण प्रदर्शित हो रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद के 58 विद्यालयों के शिक्षकों की वेतन वृद्धि रोक दी गई है। शिक्षक संघ ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे शासनादेश के विपरीत कदम बताया। वहीं 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों के चयन वेतनमान / एसीपी का लाभ दिए जाने की मांग की। साथ ही विकास खण्ड बड़ागांव में तकनीकी कारणों से मुख्यमंत्री शिक्षा कैशलैस चिकित्सा योजना के आवेदन पूर्ण न हो पाने पर वार्ता के क्रम में बीएसए ने पोर्टल चालू होने की जानकारी दी। इसके साथ ही शिक्षक नेताओं ने जिला वित्त एवं लेखाधिकारी से मुलाकात की और

अनुस्मारक पत्र सौंपते हुए शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी। जीपीएफ, अवशेष देयक, सेवानिवृत्त शिक्षकों के प्रकरण, चयन वेतनमान, अवरुद्ध वेतन, आयकर कटौती सहित कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर दिए ज्ञापन पर ठोस कार्यवाही न होने पर गहरा असंतोष जताया। अगले 7 दिनों में समयबद्ध निराकरण न होने की स्थिति में आन्दोलनात्मक कार्यक्रम चलाने की चेतावनी दी। इस दौरान जिला मंत्री मृत्युंजय सिंह, जिला प्रवक्ता अब्दुल नोमान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण राय, उपाध्यक्ष अकील अहमद खान, अमरपाल सिंह, प्रशान्त द्विवेदी, जितेन्द्र सिंह, डॉ. अनिरुद्ध रावत आदि मौजूद रहे।

संगीत की गायन वादन की प्रयोगात्मक परीक्षा 18 को

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद की गायन वादन की प्रयोगात्मक परीक्षा 18 जुलाई शनिवार को दोपहर 10 बजे से सायं 5 बजे तक होगी। टीचर्स कॉलोनी में माँ शारदा संगीत विद्यालय केंद्र पर होंगी। उक्त जानकारी विद्यालय के संस्थापक संगीतगुरु पं परशुराम पाठक ने दी।

वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर बढ़ाएं तिल की उत्पादकता और किसान आय - कुलपति

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशी एवं मृदा परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराई

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) कार्यक्रम के अंतर्गत तिल फसल की उत्पादकता बढ़ाने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से 110 किसानों को कृषि आदान सामग्री मुहैया कराई गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से डिकोली, कोट खैरा, कोट बेहटा एवं मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले से टेहरका, चकरपुर गांवों के किसानों को लाभान्वित किया गया।

प्रत्येक किसान को उन्नत तिल बीज, बेंटोनाइट, नैनो यूरिया, सागरिका, एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश), पेंडीमेथालिन, कार्बेन्डाजिम, इमिडाक्लोप्रिड तथा मृदा परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई, इससे किसान वैज्ञानिक पद्धति से तिल की खेती कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि कृषि में नवीन वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर ही उत्पादन एवं उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने किसानों से विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य शोध से विकसित नवीन तकनीकों को सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाना है, ताकि किसान उन्हें व्यवहार में अपनाकर अधिक उत्पादन और बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों के हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और कृषि के समग्र विकास हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान करता रहेगा। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को केवल कृषि आदान सामग्री ही नहीं, बल्कि समय-समय पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी भी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने किसानों से मृदा परीक्षण आधारित खेती, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग तथा समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन अपनाने की अपील की, इससे तिल की खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सके। कार्यक्रम संयोजक वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान) डॉ. अर्तिका सिंह ने किसानों को मुहैया प्रत्येक कृषि आदान सामग्री के वैज्ञानिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्नत तिल बीज अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन देने में सहायक हैं, जबकि बेंटोनाइट फसल में सल्फर की पूर्ति कर तेल की मात्रा एवं गुणवत्ता बढ़ाता है। नैनो यूरिया पौधों को नाइट्रोजन की दक्ष आपूर्ति कर उनकी बढ़वार को प्रोत्साहित करता है तथा सागरिका जड़ों के विकास एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में फसल की सहनशीलता बढ़ाने में उपयोगी है। उन्होंने बताया कि एमओपी के प्रयोग से फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है, दानों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा सूखा सहन करने की क्षमता बढ़ती है। पेंडीमेथालिन का उपयोग बुवाई के तुरंत बाद खरपतवार प्रबंधन के लिए, कार्बेन्डाजिम से बीजोपचार बीज एवं मृदा जनित रोगों से सुरक्षा के लिए तथा इमिडाक्लोप्रिड का प्रयोग रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व से भी अवगत कराते हुए कहा कि मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का संतुलित उपयोगी करने से लागत घटती है, उत्पादन बढ़ता है तथा भूमि की उर्वरता लंबे समय तक सुरक्षित रहती है।

विधायक रवि शर्मा ने झाँसी वन प्रभाग द्वारा आयोजित 'पौधों की बारात' के रूप में विशाल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वन प्रभाग झाँसी द्वारा जनपद के विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं तथा संस्थाओं व वन विभाग के वनकर्मियों सहित बैण्ड बाजा के साथ विशाल जागरूकता रैली अन्तर्गत 'पौधों की बारात' निकाली गयी। रैली का शुभारम्भ मा0 विधायक सदर श्री रवि शर्मा एवं मा0 सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन द्वारा झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। इससे पूर्व नवागंतुक प्रभागीय वनाधिकारी श्री विकास यादव ने माननीय विधायक एवं माननीय सदस्य विधान परिषद का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 को जन आंदोलन बनाने तथा कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली छात्र छात्राओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा जनसामान्य से अधिक से अधिक पौधरोपण करने एवं उनके संरक्षण हेतु आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय विधायक सदर श्री रवि शर्मा एवं माननीय सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन द्वारा भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधों के रोपण एवं उनके संरक्षण के महत्व को बताया गया। उन्होंने बच्चों से एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने का आह्वान किया इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने परिजनों के नाम भी पौधरोपण कर उसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया।पौधों की बारात में हेल्पिंग हैंड सेवा संस्थान द्वारा सक्रिय प्रतिभागिता की गई, जिसकी माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा सराहना की गई। कार्यक्रम से पूर्व प्रभागीय वनाधिकारी श्री विकास यादव द्वारा स्कूली बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने बच्चों को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण करने की अपील करते हुए कहा कि सभी बच्चे 'एक पेड़ मां के नाम' को अभियान के अंतर्गत अवश्य लगाएं और उसे संरक्षित करें। इस अवसर पर उन्होंने करो बच्चों को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण प्लास्टिक के कचरे से उत्पन्न होता है, आज के समय में यह विकराल रुप धारण कर चुका है और दिन-प्रतिदिन यह बढ़ता ही जा रहा है। यह हमारे इस खुबसुरत ग्रह पे भी कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव डालता है, जिससे यह जनजीवन के लिए एक गंभीर संकट बन गया है। हम सभी को संकल्प लेना होगा कि हम प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

बड़ागांव गेट चौकी प्रभारी, कारखास दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चौकी से किया गिरफ्तार, बड़ागांव गेट बाहर तक पैदल ले गई टीम, पूछताछ जारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश सरकार की चलाई जा रही भ्रष्टाचार समाप्त करने की मुहिम के चलते एंटी कॉर्पशन टीम ने बड़ागांव गेट चौकी प्रभारी और चौकी के कारखास को दस हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। टीम उन्हें चौकी से पैदल बड़ागांव गेट बाहर तक ले गई इसके बाद उन्हें गाड़ी में बैठा कर पूछताछ के लिए ले गई है।

जानकारी के मुताबिक संजीव राय निवासी बड़ा बाजार निवासी किराना व्यापारी ने एंटी कर्पशन टीम को शिकायत की थी एक लड़ाई झगड़े के मुकदमे में उसका फर्जी तरीके से नाम जोड़ दिया गया है। जिसकी विवेचना थाना शहर कोतवाली के बड़ागांव गेट चौकी प्रभारी ओमकार कर रहे है। मुकदमे में नाम निकालने के एवज में वह साठ हजार की मांग की। जिसमें वह दस दस हजार की तीन किस्त ले चुके अभी चौथी किस्त देनी है। शिकायत पर टीम ने अपना जाल बिछाया आज संजीव राय रिश्वत के दस हजार रुपए देने चौकी प्रभारी को जैसे ही चौकीं पर पहुंचे ओर उनके हाथ में पैसे दिए जिस पर चौकी प्रभारी ने रिश्वत के पैसे लेने के बाद कार खास सिपाही शशांक त्रिपाठी को दिए तभी टीम ने उन्हें दबोच लिया। टीम चौकी प्रभारी ओर सिपाही शशांक त्रिपाठी को लेकर गई है ओर थाना सदर बाजार में मुकदमा दर्ज कर उनसे पूछताछ की जा रही है। शिकायत कर्ता संजय राय ने बताया कि चौकी प्रभारी पूर्व में उनके बेटे से मुकदमे के नाम पर रुपए ले चुके इसके बाद ओर मांग कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने शिकायत की एंटी कर्पशन टीम से ओर आज वह गिरफ्तार हुए।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718